सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

"सफलता की ख़ुशी मनाना अच्छा है पर, उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना !

वर्ष 01, अंक 229, नई दिल्ली

मंगलवार, 31 अक्टूबर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

दिल्ली ने एनसीआर क्षेत्र में पुरानी डीजल बसों के खिलाफ किया जंग का एलान, जानें इसकी वजह

दिल्ली सरकार ने एक बार फिर क्षेत्र में प्रदूषण के प्रमुख कारकों में से एक के रूप में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में चलने वाली पुरानी डीजल बसों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की है।

संजय बाटला, सम्पादक

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने एक बार फिर क्षेत्र में प्रदूषण के प्रमुख कारकों में से एक के रूप में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में चलने वाली पुरानी डीजल बसों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार खराब होने के साथ, वाहन उत्सर्जन को मुख्य योगदान कारकों में से एक माना जाता है। यहां तक कि प्रदेश की आम आदमी पार्टी की सरकार हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के आसपास के राज्यों में चलने वाली डीजल बसों की ओर इशारा कर रही है।

दिल्ली का AQI 400 से ज्यादा हो गया है जिसे 'खतरनाक' माना जाता है और यह स्वस्थ व्यक्तियों के लिए भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। आने वाले दिनों में गिरते तापमान, हवा की कम रफ्तार और आसपास के राज्यों में पराली जलाने की संभावना बढ़ने से जहरीली हवा के और भी जहरीली होने की संभावना है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने अब तीन पड़ोसी राज्यों में डीजल से चलने वाली प्रदूषण फैलाने वाली बसों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

राय ने इस बात पर रोशनी डाली है कि जहां दिल्ली में सार्वजनिक बसें सीएनजी पर चलती हैं और बहुत कम धुआं छोड़ती हैं, वहीं हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों में डीजल से चलने वाली बसों की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार कहा, ₹वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन दिल्ली के वायु प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जबकि दिल्ली में बसें सिर्फ कंप्रैस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और इलेक्ट्रिक बसें चलती हैं, पड़ोसी राज्यों हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की बसें बीएस III और बीएस IV वाहन हैं। जबकि CAQM (सीएक्यूएम) ने इस बारे में सख्त निर्देश जारी किए हैं, हम मांग करते हैं कि केंद्र हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के एनसीआर क्षेत्रों में संचालित होने वाली बीएस III और बीएस IV बसों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाए।

रिपोर्ट के मुताबिक, कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस टर्मिनल के औचक निरीक्षण के दौरान राय ने पाया कि आसपास के राज्यों से आने वाली सभी बसें बीएस 3 और बीएस 4 वाहन थीं।

प्रदूषण दिल्ली के स्थानीय लोगों के लिए एक पुराना दुश्मन है और सर्दियों के महीनों के दौरान खास तौर पर बदतर हो जाता है। जहां उत्तर भारत के कई हिस्से हर साल जहरीली हवा की चपेट में आते हैं, वहीं देश की राजधानी सुर्खियां बटोरती है और बार-बार आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जाता है।

इस साल, दिल्ली की आप सरकार ने कहा है कि दिल्ली प्रदूषण के स्रोत पर कोई आधिकारिक डेटा नहीं है। जबकि पिछले वर्षों में आप सरकार यह दावा करती रही है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाना दिल्ली में प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है। पहले कांग्रेस पार्टी पंजाब में सत्ता में थी। फिर आप ने फरवरी 2022 का चुनाव जीता और अब पंजाब में उसकी सरकार है।

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष

दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm.

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Form Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-
- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

कर्तव्य पथ पर अमृत कलश यात्रा का समापन आज, पटेल जयंती पर होगा बड़ा आयोजन, यातायात परिवर्तन

नई दिल्ली। कर्तव्य पथ पर मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम के तहत सोमवार को अमृत कलश यात्रा का समापन होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी भी मौदूद रहेंगे। कार्यक्रम में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागी मार्च करेंगे। आयोजन स्थल पर राज्य के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां होंगी जिसमें राज्य व केंद्र शासित प्रदेश के प्रतिनिधि आएंगे और प्रदेश के अमृत कलश से मिट्टी व चावल को कर्तव्य पथ पर बड़े कलश में डालेंगे।

पटेल जयंती : दो दिन तकरूट देखकर ही निकलें

सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर सोमवार और मंगलवार को विजय चौक पर मेगा इवेंट मेरी माटी मेरा देश-अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। समारोह में देश के गणमान्य लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम को देखते हुए यातायात पुलिस ने आयोजन स्थल के आसपास से गुजरने वाले रास्तों से वाहन चालकों को बचने की सलाह दी है। यातायात पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान आवश्यकता पड़ने पर विजय चौक के आसपास वाहनों को वैकल्पिक रास्तों पर भेजा जा सकता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक किया जाएगा।

इसको देखते पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को इन रास्तों से बचने की सलाह दी है। इधर, कार्यक्रम के अवसर पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागी मार्च करेंगे। आयोजन स्थल पर राज्य के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां होंगी जिसमें राज्य व केंद्र शासित प्रदेश के प्रतिनिधि आएंगे।

इन रास्तों पर जाने से बचने की सलाह

शांति पथ, कौटिल्य मार्ग, पटेल चौक, भिंडर प्वाइंट जंक्शन, जीपीओ, अरविंदो चौक, आरएमएल, क्यू प्वाइंट, जीआरजी, एमएलएनपी, मंडी हाउस, आरजीएम, फिरोजशाह, अशोक रोड, राजाजी मार्ग, फिरोजशाह रोड, केजी मार्ग, जनपथ, महादेव रोड, राजेंद्र प्रसाद रोड, ए प्वाइंट और डब्ल्यू प्वाइंट।

इन मेट्रो स्टेशनों पर भीड़ होने की उम्मीद

सुल्तानपुर, घिटोरनी, कुतुबमीनार, केंद्रीय सचिवालय, गुरु द्रोणाचार्य, इफको चौक, अर्जन गढ़, उद्योग भवन, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम।

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने दिल्ली सरकार और दिल्ली परिवहन विभाग के खिलाफ किया विशाल धरना प्रदर्शन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने सोमवार, 30 अक्टूबर 2023 को 11 बजे विशाल धरना प्रदर्शन जंतर मंतर पर किया. क्योंकि दिल्ली सरकार और उसके दिल्ली परिवहन विभाग एवं कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट द्वारा प्रदूषण के नाम पर हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की डीजल BS 4 बसों को 1 नवम्बर 2023 से दिल्ली में एंट्री बेन करने का तुगलकी फरमान जारी कर दिया है

जंतर मंतर पर भारी संख्या में दिल्ली एनसीआर के बस वालो ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया और वहाँ उन्होंने CAQM और दिल्ली परिवहन विभाग की दमनकारी नीतियों का विरोध किया.

प्रदर्शन के बाद दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के एक प्रतिनिधि मण्डल ने स्पेशल कमिसनर श्री सहज़हद आलम जी मुलाक़ात करके अपना ज्ञापन भी उन्हें सौंपा.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने स्पेशल कमिश्नर से शिकायत करी की आप डीजल BS 4 को दिल्ली एनसीआर में बंद करके हजारों ट्रांसपोर्टर्स को बेरोजगार कर रहें हो और लाखो परिवार की रोजी रोटी छीन रहें हैं.

स्पेशल कमिश्नर ने हमारी बातो को ध्यान से सुना और कहा की अभी दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग सिर्फ दिल्ली एनसीआर में चलने वाली BS 4 डीजल बसें पूरी तरह बंद कर रहें हैं और 1 जुलाई 2024 से पूरे भारत के डीजल BS 4 टैक्सी बसों को यें एनसीआर में बंद देंगे.

उन्होंने हमें राहत देते हुए कहा हैं की अगर आप अपनी BS 4 डीजल बसों को दिल्ली एनसीआर से लम्बी दूरी के लिए जाएंगे तो हम ऐसी बसों का चालान नहीं करेंगे.

एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हैं की पूरे भारत के टैक्सी बस मालिक अभी हाल में ही 2 सालो से करोना महामारी से पीड़ति रहें है.

दिल्ली सरकार एवं दिल्ली परिवहन विभाग और CAQM काफी समय से दुसरे राज्यों की सरकारी डिपो की परिवहन बसों को BS 6 डीजल या इलेक्ट्रिक या CNG गाड़ियों की एंट्री के लिए दिल्ली में आने के लिए कह रहें थे.

यें खबर भी हमें अखबारों के माध्यम से पता चलती रहती थी. दिनाक 26 अक्टूबर 2023 को दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग का आर्डर आया है जिसमे BS 4 डीजल बसों की एंट्री 1 नवम्बर 2023 से बंद करने के आर्डर कर दिए गए है.

वो भी सिर्फ राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के जबकि पेहले इन्होने पूरे भारत की BS 4 डीजल बसों की एंट्री दिल्ली में बैन की थी. शायद दुसरे राज्यों ने CAQM और दिल्ली सरकार से आगे के लिए मोहलत मांग ली होंगी.

क्योंकि हमारे ट्रांसपोर्टर्स की भी काफी बसें हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश नंबर की BS 4 डीजल बसें है उनको भी इन्होने बस डिपो की तरह बंद करने का फरमान जारी कर दिया.लेकिन हमारी BS 4 डीजल बसें आल इंडिया टूरिस्ट परमिट है और इसका जिक्र अलग से दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग ने नहीं करा.

जबकि इस से पेहले एनसीआर दिल्ली की किसी भी ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन को इस बारे मे ना ही बताया गया और ना ही CAQM या दिल्ली सरकार द्वारा की गई किसी मीटिंग में बुलाया गया.

संजय सम्राट का कहना है की पेहले भी दिल्ली सरकार और कमिसन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट के द्वारा प्रदूषण के नाम पर डीजल से चलने वाली टूरिस्ट टैक्सी को पिछले साल भी ग्रेप लगाकर बंद किया गया, और उनपर 20 हजार तक जुर्माना भी किया गया.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना है की दिल्ली सरकार एवं उसका दिल्ली परिवहन विभाग और

CAQM वास्तव में प्रदूषण के नाम टूरिस्ट टैक्सी बसों के मालिकों को ही टारगेट कर रही है, और जान भुजकर हमारी डीजल BS 4 बसों की एंट्री दिल्ली एनसीआर मे बंद करना चाहते है जबकि हमारी डीजल BS 4 बसें आल इंडिया टूरिस्ट परमिट है जो ज्यादातर दिल्ली से ज्यादा दुसरे राज्यों में पर्यटको को घूमाने ले जाती है.

पिछले साल भी इन्होने 4 पहिये की डीजल BS 4 टैक्सी को बंद करा.

लेकिन डीजल के ट्रक को खुले आम चलने की इज्जाजत दी.

क्या डीजल की टैक्सी बसें पहिये के हिसाब से धुआँ देती है ? ? ? यें सोचने वाला सवाल है.

हमारे काफी ट्रांसपोर्टर्स ने 2019 के आख़री महीने में काफी डीजल की BS 4 बसें खरीदी अब 3 सालो में से 2 साल वों बसें पार्किंग में ही खड़ी रही थी, अब इन गाड़ियों का क्या होगा? इनकी किस्तें हम कहाँ से भरेंगे?

डीजल टैक्सी बसें वों ही धुआँ अप्रैल महीने में देती है और वों धुआँ नवम्बर में,

हमारी टैक्सी बसें सर्दी में कोई एक्स्ट्रा धुआँ नहीं देती. यें प्रदूषण की समस्या पराली जलाने से और पटाखों की वजह से ज्यादा होता है, और सबसे बड़ी बात सर्दियों में मौसम बदलता ही है.

अभी भी जो ग्रेप सिस्टम इन्होने बनाया है उसमे डीजल BS 4 की 4 पाहियों की गाड़ियों को ग्रेप 3 में रखा है जब AQI 401 से 450 के बीच मे होगा . लेकिन जो डीजल BS 4 के ट्रक हजारों की संख्या में रात को आते है दिल्ली एनसीआर में उनको ग्रेप 4 में रखा है जब AQI 451 से ऊपर होगा.

मतलब CAQM गाडी के पाहियों के हिसाब से प्रदूषण का पैमाना बना रहा है.

ट्रांसपोर्ट से जुड़े धंधे में हजारों बसों के मालिक जुड़े है इनके लाखो ड्राइवर्स है और करोडो परिवार इस से जुड़े है. क्योंकि इसका असर राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के ट्रांसपोर्टर्स पर क्योंकि उनकी डीजल बसें दिल्ली एनसीआर में नहीं आ पाएंगी.

संजय सम्राट का कहना हैं की अगर सवाल प्रदूषण का हैं तो पंजाब, हिमाचल, चंडीगढ़, जम्मू, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश की BS 4 डीजल बसों को आने की इज्जाजत क्यों दी गई हैं?

सिर्फ इन 3 राज्यों की डीजल बसें धुआँ देंगी और दुसरे राज्यों की बसें क्या ऑक्सीजन देंगी?

हमारे लोगो पर इतना पैसा नहीं है की BS 4 डीजल की गाड़ियों को बेचकर BS 6 डीजल की बसें ख़रीदे. सबसे बड़ी बात हम जो डीजल गाड़ियों में डाल रहें है वों भी BS 4 के हिसाब से ही मिल रहा है. जब डीजल एक जैसा है तो फिर BS 6 डीजल बस का क्या मतलब, वास्तव में थोड़ा बहुत डीजल गाडी में बदलाव करके बसों की कीमत 3 से 4 लाख बड़ा दी जाती है और यें सारा खेल BS सीरीज के नाम पर हो रहा है और कार और बसें बनाने वाली कम्पनी को भारी मुनाफा हो रहा है.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने आज प्रधानमंत्री जी, केंद्रीय ग्रह मंत्री, दिल्ली के उप राजयपाल, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंदर यादव जी, से CAQM और दिल्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की शिकायत का ज्ञापन भी सौंपा.

और इनसे मांग भी की CAQM और दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग को दोबारा से विचार करने को कहा जाए और हमारी BS 4 डीजल आल इंडिया टूरिस्ट परमिट टूरिस्ट बसों की जो लाइफ है उतना उन्हें चलने दिया जाए. क्योंकि ये भारत के करोडो लोगो की रोजी रोटी का सवाल हैं.

संजय सम्राट का कहना हैं की अगर दिल्ली एनसीआर के BS 4 डीजल बसों के मालिकों को नाजायज चालान किये गए या तंग किया गया तो दिल्ली एनसीआर में बसों का चक्का जाम किया जायेगा।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/ 25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

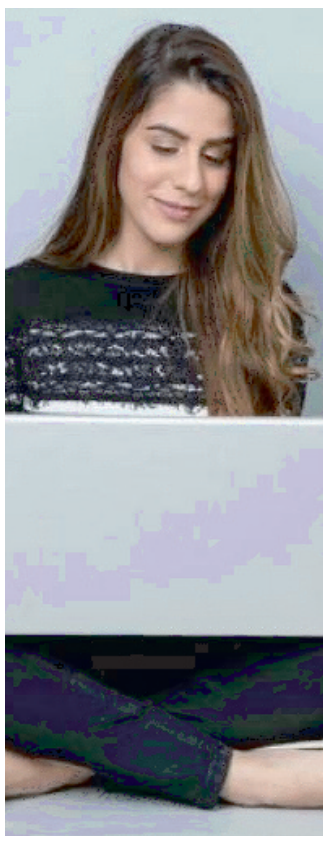

मैट्रिमोनियल साइट पर ढूंढ रही हैं पार्टनर? महिलाएं जरूर अपनाएं ये सेफ्टी टिप्स, नहीं होगा फ्रॉड

आजकल की एडवांस लाइफस्टाइल में बेस्ट जीवनसाथी का चुनाव करने के लिए ज्यादातर लोग मैट्रिमोनियल साइट की मदद लेते हैं. बेशक इन साइट्स पर आप आसानी से अपने लिए लाइफ पार्टनर चुन सकती हैं. मगर मैट्रिमोनियल साइट इस्तेमाल करते समय कुछ सावधानियां बरतना बेहद जरूरी है.

अच्छे जीवनसाथी की तलाश भला किसे नहीं होती है. मगर कुछ लोग लाख कोशिशों के बाद भी अपने लिए परफेक्ट लाइफ पार्टनर ढूंढने में असफल हो जाते हैं. ऐसे में कई लोग मैट्रिमोनियल साइट की मदद लेते हैं. हालांकि, अगर आप भी मैट्रिमोनियल साइट (Matrimonial sites) से लाइफ पार्टनर तलाश रही हैं तो कुछ बातों का खास ख्याल रखना आपके लिए जरूरी हो जाता है.

दरअसल इन दिनों मैट्रिमोनियल साइट पर लाइफ पार्टनर चूज करने का ट्रेंड काफी आम हो गया है. हालांकि मैट्रिमोनियल साइट पर तमाम ऑप्शन मौजूद होने के कारण कुछ लोग जीवनसाथी के चुनाव को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं. तो कई लोग इन्हीं मैट्रिमोनियल साइट पर फ्रॉड का भी शिकार हो जाते हैं. इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं मैट्रिमोनियल साइट पर लाइफ पार्टनर चूज करने के कुछ टिप्स, जिन्हें फॉलो करके आप अपने लिए बेस्ट पार्टनर चुन सकती हैं.

परिवार की मदद लें

कई बार लोग फैमिली को बताए बिना ही मैट्रिमोनियल साइट पर प्रोफाइल बना लेते हैं और खुद ही सभी चीजों से डील करने में लग जाते हैं. मगर मैट्रिमोनियल साइट पर पार्टनर चुनते समय परिवार की रजामंदी लेना भी जरूरी होता है. खासकर घर के बड़े-बुजुर्गों के तजुर्बे सही पार्टनर तलाशने में बेहद मददगार साबित हो सकते हैं.

अच्छे से चेक करें

मैट्रिमोनियल साइट पर लोग अक्सर कुछ प्रोफाइल्स को देखकर इम्प्रेस हो जाते हैं. मगर मैट्रिमोनियल साइट पर कई प्रोफाइल फेक भी होती हैं. इसलिए प्रोफाइल की हर एक डिटेल पर गौर करें और अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर कन्फर्म होने के बाद ही बात आगे बढ़ाएं.

निजी डिटेल्स साझा न करें

मैट्रिमोनियल साइट पर किसी से बात करते समय अपनी पर्सनल डिटेल्स बिल्कुल शेयर न करें. दरअसल लोग अक्सर मैट्रिमोनियल साइट पर मिले लोगों से इम्प्रेस होकर अपनी बैंक डिटेल्स जैसी कई निजी जानकारियां साझा कर देते हैं. जिसके चलते आप फ्रॉड का शिकार हो सकती हैं. इसलिए मैट्रिमोनियल साइट पर रिश्ता बनाने में कोई जल्दबाजी करने से बचें.

मैट्रिमोनियल साइट का चुनाव

आजकल इंटरनेट पर कई मैट्रिमोनियल साइट के ऑप्शन मौजूद हैं. ऐसे में लाइफ पार्टनर तलाशने के लिए किसी भरोसेमंद साइट का चुनाव करें. साथ ही मैट्रिमोनियल साइट पर फ्री सब्सक्रीप्शन लेने के बजाए पेड मेंबरशिप ले लें. वहीं प्रोफाइल बनाने से पहले मैट्रिमोनियल साइट का स्ट्रॉन्ग सिक्योरिटी सिस्टम जरूर चेक कर लें.

एक नाम जिसने दुनिया को जीत

मदर टेरेसा

कहते है दुनिया में अपने लिए तो सब जीते है, लेकिन जो अपने स्वार्थ को पीछे छोड़ दूसरों के लिए कार्य करता है, वही महान कहलाता है. ऐसों व्यक्तियों का पूरा जीवन प्रेरणादायक होता है, इन्हें मरने के बाद भी लोग दिल से याद करते है. ऐसीं हीं एक महान हस्ती का नाम है मदर टेरेसा. दया, निस्वार्थ भाव, प्रेम की मूर्ती मदर टेरेसा ने अपना पूरा जीवन दूसरों की सेवा में न्योछावर कर दिया. मदर टेरेसा के अंदर अपार प्रेम था, जो किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं बल्कि हर उस इन्सान के लिए था, जो गरीब, लाचार, बीमार, जीवन में अकेला था. 18 साल की उम्र से ही नन बनकर उन्होंने अपने जीवन को एक नयी दिशा दे दी. मदर टेरेसा भारत की नहीं थी, लेकिन जब वे भारत पहली बार आई तो यहाँ के लोगों से प्रेम कर बैठी, और यही अपना जीवन बिताने का निर्णय लिया. उन्होंने भारत के लिए अभूतपूर्व कार्य किये.

मदर टेरेसा का जन्म 26 अगस्त 1910 को हुआ था, इनका नाम अगनेस गोंझा बोयाजिजू (Agnes Gonxha Bojaxhiu) था. इनके पिता एक व्यवसायी थी, जो काफी धार्मिक भी थे, वे हमेशा अपने घर के पास वाले चर्च जाया करते थे, और येशु के अनुयायी थे. 1919 इनकी मौत हो गई, जिसके बाद मदर टेरेसा को उनकी माता ने बड़ा किया था. पिता के जाने के बाद मदर टेरेसा के परिवार को आर्थिक परेशानी से गुजरना पड़ा. लेकिन उनकी माता ने उनको बचपन से ही मिल बाँट कर खाने की शिक्षा दी. उनकी माता कहती थी, जो कुछ भी मिले उसे सबके साथ बाँट कर खाओ. कोमल मन की मदर टेरेसा अपनी माँ से पूछती वे कौन लोग है, किनके साथ हम मिल बाँट कर खाएं? तब उनकी माता कहती कभी हमारे रिश्तेदार तो कभी वे सभी लोग जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरुरत है. माता की ये बात अगनेस के कोमल मन में घर कई गई, और उन्होंने इसे अपने जीवन में उतारा. इसी के चलते वे आगे चलकर मदर टेरेसा बन गई.

अगनेस ने अपनी स्कूल की पढाई भी पूरी की. अगनेस (मदर टेरेसा) सुरीली आवाज की भी धनी थी. वे चर्च में अपनी माँ व बहन के साथ येशु की महिमा के गाने गाया करती थी. 12 साल की उम्र में वे अपने चर्च के साथ एक धार्मिक यात्रा में गई थी, जिसके बाद उनका मन बदल गया और उन्होंने क्राइस्ट को अपना मुक्तिदाता स्वीकार कर लिया, और येशु के वचन को दुनिया में फ़ैलाने का फैसला लिया. 1928 में 18 साल के होने पर अगनेस ने बपतिस्मा लिया और क्राइस्ट को अपना लिया. इसके बाद वे डबलिन में जाकर रहने लगी, इसके बाद वे वापस कभी अपने घर नहीं गई और न अपनी माँ व बहन को दोबारा देखा. नन बनने के बाद उनका नया जन्म हुआ और उन्हें सिस्टर मेरी टेरेसा नाम मिला. यहाँ के एक इंस्टीट्यूट से उन्होंने नन की ट्रेनिंग ली.

मदर टेरेसा का भारत आना व उनके द्वारा किये गए कार्य (Mother teresa service in India)–

1929 में मदर टेरेसा अपने इंस्टीट्यूट की बाकि नन के साथ मिशनरी के काम से भारत के दार्जिलिंग शहर आई. यहाँ उन्हें मिशनरी स्कूल में पढ़ाने के लिए भेजा गया था. मई 1931 में उन्होंने नन के रूप में प्रतिज्ञा ली. इसके बाद उन्हें भारत के कलकत्ता शहर भेजा गया. यहाँ उन्हें गरीब बंगाली लड़कियों को शिक्षा देने को कहा गया. डबलिन की सिस्टर लोरेटो द्वारा संत मैरी स्कूल की स्थापना की गई, जहाँ गरीब बच्चे पढ़ते थे. मदर टेरेसा को बंगाली व हिंदी दोनों भाषा का बहुत अच्छे से ज्ञान था, वे इतिहास व भूगोल बच्चों को पढ़ाया करती थी. कई सालों तक उन्होंने इस कार्य को पूरी लगन व निष्ठा से किया.

कलकत्ता में रहने के दौरान उन्होंने वहां की गरीबी, लोगों में फैलती बीमारी, लाचारी व अज्ञानता को करीब से देखा. ये सब बातें उनके मन में घर करने लगी और वे कुछ ऐसा करना चाहती थी, जिससे वे लोगों के काम आ सकें, लोगों की तकलीफ कम कर सकें. 1937 में उन्हें मदर की उपाधि से सम्मानित किया गया. 1944 में वे संत मैरी स्कूल की प्रिंसीपल बन गई.

एक नया बदलाव (How did mother teresa's life change)–

10 सितम्बर 1946 को मदर टेरेसा को एक नया अनुभव हुआ, जिसके बाद उनकी ज़िन्दगी बदल गई. मदर टेरेसा के अनुसार – इस दिन वे कलकत्ता से दार्जिलिंग कुछ काम के लिए जा रही थी, तभी येशु ने उनसे बात की और कहा अध्यापन का काम छोड़कर कलकत्ता के गरीब, लाचार, बीमार लोगों की सेवा करो. लेकिन जब मदर टेरेसा ने आज्ञाकारिता का व्रत ले लिया था, तो वे बिना सरकारी अनुमति के कान्वेंट नहीं छोड़ सकती थी. जनवरी 1948 में उनको परमीशन मिल गई, जिसके बाद उन्होंने स्कूल छोड़ दिया. इसके बाद मदर टेरेसा ने सफ़ेद रंग की नीली धारी वाली साडी को अपना लिया, और जीवन भर इसी में दिखाई दी. इन्होने बिहार के पटना से नर्सिंग की ट्रेनिंग ली, और वापस कलकत्ता आकर गरीब लोगों की सेवा में जुट गई. मदर टेरेसा ने अनाथ बच्चों के लिए एक आश्रम बनाया, उनकी मदद के लिए बाकि दुसरे चर्च भी हाथ आगे बढ़ाने लगे. इस काम को करते हुए उन्हें कई परेशानियाँ भी उठानी पड़ी. काम छोड़ने की वजह से उनके पास कोई आर्थिक मदद नहीं थी, उन्हें अपना पेट भरने के लिए भी लोगों के सामने हाथ फैलाना पड़ता था. लेकिन मदर टेरेसा इन सब बातों से घबरायी नहीं, उन्हें अपने प्रभु पर पूर्ण विश्वास था, उन्हें यकीन था कि जिस परमेश्वर ने उन्हें ये काम शुरू करने को बोला है, वो उसे पूरा भी करेगा.

मिशनरी ऑफ चैरिटी (Missionaries of charity history)–

7 अक्टूबर 1950 में मदर टेरेसा के अत्याधिक प्रयास के चलते उन्हें मिशनरी ऑफ़ चैरिटी बनाने की परमीशन मिल गई. इस संस्था में वोलीन्टर संत मैरी स्कूल के शिक्षक ही थे, जो सेवा भाव से इस संस्था से जुड़े थे. शुरुवात में इस संस्था में सिर्फ 12 लोग कार्य किया करते थे, आज यहाँ 4000 से भी ज्यादा नन काम कर रही है. इस संस्था के द्वारा अनाथालय, नर्सिंग होम, वृद्ध आश्रम बनाये गए. मिशनरी ऑफ़ चैरिटी का मुख्य उद्देश्य उन लोगों की मदद करना था, जिनका दुनिया में कोई नहीं है. उस समय कलकत्ता में प्लेग व कुष्ठ रोग की बीमारी अत्याधिक फैली हुई थी, मदर टेरेसा व उनकी संस्था ऐसे रोगियों की खुद सेवा किया करती थी, वे मरीजों के घाव को हाथ से साफ कर मरहम पट्टी किया करती थी.

कलकत्ता में उस समय छुआछूत की भी बीमारी फैली थी, लाचार गरीबों को समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता था. मदर टेरेसा ऐसे सभी लोगों के लिए मसीहा बनकर सामने आई थी. वे गरीब, भूखों नंगों को सहारा दिया करती थी, उन्हें खाना खिलाती. 1965 में मदर टेरेसा ने रोम के पॉप जॉन पॉल 6 से अपनी मिशनरी को दुसरे देशों में फ़ैलाने की अनुमति मांगी. भारत के बाहर पहला मिशनरी ऑफ़ चैरिटी का संस्थान वेनेजुएला में शुरू हुआ, आज के समय में 100 से ज्यादा देशों में मिशनरी ऑफ़ चैरिटी संस्था है. मदर टेरेसा के कार्य किसी से छुपे नहीं थे, उनके निस्वार्थ भाव को स्वतंत्र भारत के सभी बड़े नेताओं ने करीब से देखा था, वे सभी उनकी सराहना भी करते थे.

मदर टेरेसा पर हुए विवाद (Mother teresa controversy)–

इस व्यापक प्रशंसा के बावजूद, मदर टेरेसा के जीवन और काम को विवादों के घेरे में ला खड़ा किया. कहते है सफलता जहाँ होती है, विवाद उसके पीछे पीछे चले आते है. मदर टेरेसा के इस निस्वार्थ भाव की दया व प्रेम को भी लोग गलत समझने लगे और उन पर आरोप लगाया गया कि वे भारत में लोगों का धर्म परिवर्तन करने की नियत से सेवा करती है. लोग उन्हें अच्छा इन्सान न समझकर, इसाई धर्म का प्रचारक समझते थे. इस सब बातों से उपर मदर टेरेसा अपने कामों की ओर ही ध्यान लगाती थी, लोगों की बातों में न ध्यान देते हुए उन्होंने अपने काम को ज्यादा तवज्जो दी.

मदर टेरेसा मृत्यु (Mother teresa death)–

मदर टेरेसा को कई सालों से दिल व किडनी की परेशानी थी. उन्हें पहला दिल का दौरा 1983 में रोम में पॉप जॉन पॉल द्वितीय से मुलाकात के दौरान आया था, इसके बाद दूसरी बार उन्हें 1989 में दिल का दौरा आया. तबियत ख़राब के चलते भी वे अपने काम करती थी, और मिशनरी के सभी कामों से जुड़ी रही. 1997 में जब उनकी हालात बिगड़ती चली गई, और उन्हें इसका आभास हुआ तो उन्होंने मार्च 1997 को मिशनरी ऑफ़ चैरिटी के हेड का पद छोड़ दिया, जिसके बाद सिस्टर मैरी निर्मला जोशी को को इस पद के लिए चुना गया. 5 सितम्बर 1997 को मदर टेरेसा का कलकत्ता में देहांत हो गया.

मदर टेरेसा अवार्ड व अचीवमेंट (Mother teresa awards and achievements)–

1962 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया.

1980 में भारत के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया.

1985 में अमेरिका सरकार द्वारा मैडल ऑफ़ फ्रीडम अवार्ड दिया.

1979 में मदर टेरेसा को गरीब, बीमारों की मदद के लिए नोबल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया.

2003 में पॉप जॉन पोल ने मदर टेरेसा को धन्य कहा, उन्हें ब्लेस्ड टेरेसा ऑफ़ कलकत्ता कहकर सम्मानित किया.

मदर टेरेसा को 20 वीं सदी की सबसे बड़ी मानवतावादियों में से एक है. मदर टेरेसा कहती थी, वो नागरिक भारत की है, विश्वास से कैथलिक नन है, लेकिन उनका पूरा दिल प्रभु येशु का है, उन्होंने अपना पूरा जीवन पिता परमेश्वर और प्रभु येशु को समर्पित किया था. उनके पास हजारों लोग पहुँचते थे, जो किसी तरह की परेशानी से गुजर रहे होते है, मदर उनके लिए प्राथना किया करती थी, और सब ठीक हो जाता था. ऐसे कई चमत्कार को प्रभु येशु के नाम से मदर ने लोगों के लिए किया था. मदर टेरेसा जैसी हस्ती की जरुरत आज भी हमारे देश समाज को है, जो दूसरों से अपने जैसा प्यार करे, और उनके दुःख दर्द को अपना समझे. मदर टेरेसा दया, प्रेम की जीती जागती मूरत थी, इनके जीवन से हम बहुत सी बातें सिख सकते है. ये कई लोगों के लिए आदर्श है, जो इनके जैसा बनना चाहते है.

उम्र के अनुसार महिलाओं को होती है इन विटामिन और मिनरल्स की ज़रूरत

पोषक तत्वों की कमी से हेल्थ और इम्यूनिटी दोनों कमजोर हो सकती है. महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, क्योंकि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

25 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं के लिए कैल्शियम और आयरन होता है महत्वपूर्ण.

स्वस्थ शरीर के लिए पोषक तत्व महत्वपूर्ण होते हैं, इसलिए दैनिक आधार पर इनका सेवन पर्याप्त मात्रा में करना जरूरी होता है. पोषक तत्वों की कमी से हेल्थ और इम्यूनिटी दोनों कमजोर हो सकती है. महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, क्योंकि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. ऐसे में महिलाओं को उनकी उम्र के अनुसार, विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत होती है. शरीर को हेल्दी बनाने के लिए डाइट में उन सभी चीज़ों को शामिल करना जरूरी है, जिसमें भरपूर मात्रा में विटामिन और मिनरल्स हों. तो चलिए जानते हैं महिलाओं को उम्र के अनुसार किन पोषक तत्वों को डाइट में शामिल करना चाहिए.

25 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं के लिए पोषक तत्व

मेडिकलन्यूज़टुडे के मुताबिक, 25 वर्ष से कम उम्र में महिलाओं को कई तरह के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है. इस दौरान कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन अवश्य करना चाहिए. हड्डियों और मांसपेशियों के विकास और उन्हें मजबूत बनाने में कैल्शियम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. डेयरी प्रोडक्ट्स, फिश, सोयाबीन कैल्शियम के अच्छे सोर्स हैं. दिन में लगभग एक हजार मिलीग्राम कैल्शियम का सेवन इस उम्र की महिलाओं को करना चाहिए.

विटामिन डी: कैल्शियम को एब्जॉर्ब करने के लिए विटामिन डी जरूरी होता है. सूरज की रोशनी से विटामिन डी मिलता है. इसके अलावा ओकरा, सैल्मन मछली और अनाज में भी विटामिन डी होता है. दिन में 600 आईयू विटामिन डी लेने की जरूरत होती है.

आयरन: मासिक धर्म होने से शरीर में आयरन की कमी हो जाती है. आयरन कम होने से शरीर कमजोर हो जाता है. मांस, मछली, पालक, अनार और चुकंदर आयरन के सबसे अच्छे स्रोत माने गए हैं. इस उम्र की महिलाओं को प्रतिदिन 18 मिलीग्राम आयरन जरूर लेना चाहिए.

25 से 40 वर्ष की उम्र वाली महिलाओं के लिए पोषक तत्व

फोलिक एसिड: डीएनए, आरएनए के निर्माण में फोलिक एसिड अहम भूमिका निभाता है. गर्भवती महिलाओं के लिए फोलिक एसिड बहुत जरूरी होता है. खट्टे फल, राजमा, अंडा और फलीदार सब्जियों में फोलिक एसिड पर्याप्त मात्रा में होता है. गर्भवती महिलाओं को प्रतिदिन 600 एमसीजी और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को 500 एमसीजी फोलिक एसिड की आवश्यकता होती है.

आयोडीन: शरीर के विकास के लिए आयोडीन जरूरी होता है. इस उम्र की महिलाओं के लिए आयोडीन की पर्याप्त मात्रा जरूरी है. प्रतिदिन 150 एमसीजी आयोडीन खाना चाहिए. इसके अलावा आयरन भी जरूरी होता है. 25 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रतिदिन 18 मिलीग्राम आयरन और गर्भवती महिलाओं को रोज 27 मिलीग्राम आयरन लेना चाहिए.

40 और इससे अधिक उम्र की महिलाओं के लिए पोषक तत्व

कैल्शियम और विटामिन डी: बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, इसलिए उचित मात्रा में कैल्शियम और विटामिन डी का सेवन जरूरी हो जाता है. इस उम्र की महिलाओं को रोज 1200 मिलीग्राम कैल्शियम और 600 आईयू विटामिन डी की मात्रा लेनी चाहिए.

विटामिन बी12 और बी16: इस उम्र में महिलाओं को अधिक मात्रा में विटामिन बी की जरूरत होती है. इम्यूनिटी को बेहतर बनाने में विटामिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. विटामिन बी12 की डेली मात्रा 2.4 मिलीग्राम और बी16 की 1.3 मिलीग्राम जरूरी होती है. इन्हें हरी सब्जियों, दूध, मछली से प्राप्त किया जा सकता है।

मनीष सिसोदिया को जमानत पर सुप्रीम इन्कार

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महीनों से जेल में कैद दिल्ली के पूर्व उप- मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसौदिया को जमानत देने से इन्कार कर दिया। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह भी कहा कि अगर 6 से 8 महीने में मुकदमा खत्म ना हो तो वह दोबारा जमानत की अर्जी लगा सकते है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। दिल्ली सरकार की शराब नीति में कथित अनियमितता मामले में गिरफ्तार सिसोदिया फिलहाल सलाखों के पीछे हैं। दरअसल इस मामले में लगभग 20 से 30 हजार दस्तावेज है। और 290 से अधिक गवाह हैं। तब एस वी राजू ने कहा कि 9 से 12 महीने में ट्रायल पूरा हो जाएगा। ज्ञात हो कि 16 अक्टूबर को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि हम आम आदमी पार्टी को भी आरोपित बनाने पर विचार कर रहे है। वकील मनू सिंघवी ने कहा कि नायर पार्टी का कार्यकर्ता था। और वह आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था। उन्होने कहा कि सिसोदिया 26 फरवरी से जेल में है। उधर ईडी ने कहा कि आबकारी नीति के लिए षडयंत्र रचा गया।पैसा लेकर छूट मुहैया कराई गई। विजय नायर मनीष सिसोदिया के इशारे पर काम कर रहा था। दरअसल 4 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान जस्टिस राजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने पूछा था कि जिस राजनीतिक पार्टी को कथित तौर फायदा पहुंचा ,उसे आरोपित क्यों नहीं बनाया गया। सीबीआई ने अपने हलफनामो में मनीष सिसोदिया की पत्नी की बिमारी का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी पत्नी की बीमारी कोई नई बात नही है।उनका इलाज पिछले 23साल से चल रहा है।ऐसे में यह भी उनके जमानत का आधार नहीं हो सकता।

सीएम अरविंद केजरीवाल को ED ने भेजा नोटिस, शराब घोटाले के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को समन भेजा है। ईडी ने सीएम अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में दो नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। बता दें कि सीबीआई ने इससे पहले मुख्यमंत्री को सीबीआई अप्रैल महीने में पूछताछ के लिए बुला चुकी है।

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को समन भेजा है। ईडी ने सीएम अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में दो नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। बता दें कि सीबीआई ने इससे पहले मुख्यमंत्री को सीबीआई अप्रैल महीने में पूछताछ के लिए बुला चुकी है।

ब्रज भूषण सिंह के वकील के तर्क पर सरकारी वकील ने दिया जवाब, कहा- आरोपी को जब भी मौका मिला, उसने छेड़छाड़ की

परिवहन विशेष न्यूज

महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपी भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने दिल्ली के कोर्ट में तर्क दिया। उनके वकील ने कहा कि चूंकि घटनाएं भारत से बाहर होने के आरोप हैं ऐसे में राउज एवेन्यू कोर्ट का क्षेत्राधिकार नहीं बनता है। इसका लोक अभियोजक ने कड़ा विरोध किया। अगली सुनवाई 22 नवंबर को होगी।

नई दिल्ली। महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपी भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की तरफ से कोर्ट के क्षेत्राधिकार को दिए गए तर्कों का अतिरिक्त लोक अभियोजक अतुल कुमार श्रीवास्तव ने विरोध किया।

लोक अभियोजक ने कहा कि पीड़ितों के यौन उत्पीड़न का कार्य एक निरंतर अपराध था, क्योंकि यह किसी विशेष समय पर नहीं रुका था। लोक अभियोजक ने कहा कि आरोपी को जब भी मौका मिलता था, उसने पीड़ितों के साथ छेड़छाड़ की। इस तरह के उत्पीड़न को अलग-अलग कोष्ठकों में नहीं देखा जा सकता है। उत्पीड़न की श्रृंखला को एक कोष्ठक के रूप में देखा जाना चाहिए।

एडिशनल मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने सुनवाई के बाद बचाव पक्ष के अधिवक्ता, शिकायतकर्ता के अधिवक्ता और लोक अभियोजक को तीन सप्ताह में लिखित में दलील जमा करने का निर्देश दिया। मामले में अगली सुनवाई 22 नवंबर को होगी।

भारत से बाहर के अपराध की सुनवाई का अधिकार नहीं

बृजभूषण की तरफ से पेश अधिवक्ता ने दलील दी कि राउज एवेन्यू कोर्ट के पास भारत के बाहर कथित तौर पर किए गए किसी भी अपराध की सुनवाई करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। अधिवक्ता ने कहा कि कथित अपराध टोक्यो, मंगोलिया, बुल्गारिया, जकार्ता, कजाकिस्तान, तुर्की में हुए हैं। ऐसे में इस अदालत द्वारा मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है।

तीन राज्यों के चुनाव में तीसरा विकल्प बनने के प्रयास में 'आप', लोकसभा चुनाव को लेकर बनाई खास रणनीति

विधानसभा चुनाव वाले पांच राज्यों में से तीन में राष्ट्रीय दलों के बीच ही संघर्ष है। मध्य प्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ में दशकों से बीजेपी-कांग्रेस के बीच लड़ाई रही है। यहां कोई अन्य विकल्प अभी तक बन नहीं पाया है। इस बार भी अबतक कोई तीसरा विकल्प नहीं दिख रहा है लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) ऐसे फसल की तलाश में है जिसे लोकसभा चुनाव के वक्त काटा जा सके।

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव वाले पांच राज्यों में से तीन में दो बड़े राष्ट्रीय दलों के बीच ही संघर्ष है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में दशकों से बीजेपी और कांग्रेस में ही हार-जीत का खेल होता रहा है। यहां कोई अन्य विकल्प अभी तक बन नहीं पाया है। इस बार भी अबतक तो कोई तीसरा विकल्प नहीं दिख रहा है, लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) ऐसे फसल की तलाश में है जिसे लोकसभा चुनाव के वक्त काटा जा सके।

दिल्ली मॉडल के सहारे पंजाब के बाद गुजरात में भी अच्छी उपस्थिति से उत्साहित अरविंद केजरीवाल तीनों राज्यों में आप को विस्तारित करने में लगे हैं। वैसे भी कांग्रेस की ओर से स्पष्ट किया जा चुका है कि आईएनडीआईए लोकसभा चुनाव के लिए है। ऐसे में कोई यह आरोप भी नहीं लगा सकता है कि आप या कोई तीसरा दल गठबंधन को नुकसान पहुंचा रहा है। आम आदमी पार्टी की तैयारी बता रही है कि उसकी नजर भविष्य पर है।

तीन सौ से ज्यादा सीटों पर आप की लड़ने की तैयारी

हिंदी पट्टी के तीनों राज्यों की कुल पांच सौ 20 विधानसभा सीटों में से करीब पौने दो सौ से अधिक सीटों पर 'आप' अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। अभी तक आप ने मध्य प्रदेश में 69, राजस्थान में 63 और छत्तीसगढ़ में 57 प्रत्याशी उतार दिए गए हैं। यह सिलसिला थमा नहीं है। नामांकन की अंतिम तिथि तक तीनों राज्यों को मिलाकर तीन सौ से ज्यादा सीटों पर आप की लड़ने की तैयारी है।

विधानसभा चुनाव में बेहतर परफॉर्म करने की कोशिश

अगर नतीजे अच्छे आ गए तो फिर पार्टी की तरफ से उसी आधार पर संसदीय चुनाव में सीटों की दावेदारी भी की जाएगी। चुनाव तो तेलंगाना और मिजोरम में भी हो रहा है, लेकिन केजरीवाल की प्राथमिकता इन तीन राज्यों पर ही है। इसका कारण है कि तीनों राज्यों का राजनीतिक और सामाजिक चरित्र हिंदी पट्टी के ऐसे राज्यों से मिलता-जुलता है, जहां की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का बोलबाला है।

क्षेत्रीय दलों को स्थान नहीं मिल पाया है

हालांकि, लंबे प्रयासों के बावजूद क्षेत्रीय दलों को स्थान नहीं मिल पाया है। केजरीवाल को यह भी पता है कि बिहार-यूपी की तरह उक्त तीनों राज्यों में जाति आधारित राजनीति खूब होती है। इसलिए आप की प्राथमिकताओं में वैसे युवा और निष्पक्ष वोटर हैं, जो आने वाली नई सरकार से शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की अपेक्षा रखते हैं। साथ ही जाति-धर्म से हटकर सोचते हैं। हाल के वर्षों में ऐसे वोटरों की संख्या भी बढ़ी है।

दिल्ली मॉडल से कद बढ़ाने की कोशिश

दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने एक अपना मॉडल बनाया है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मुफ्त योजनाओं का पिटारा है। इसी मॉडल को आम आदमी पार्टी चुनाव वाले राज्यों में प्रचारित कर अपना कद बढ़ाने का प्रयास करती है। कांग्रेस की गारंटियों में भी ऐसे ही दावे किए जा रहे हैं। मुफ्त योजनाओं की भरमार है। हाल के कुछ वर्षों में आए चुनाव नतीजों का निष्कर्ष है कि आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस शासित राज्यों में ही अपनी जगह बनाई है। गुजरात में भी उसने कांग्रेस का कद ही छोटा किया है।

चंडीगढ़ से दिल्ली लौटनी थी बरात, एंबुलेंस से आए तीन शव; बच्चे से लेकर बूढ़ों तक...सबकी आंखे नम

चंडीगढ़ से दिल्ली के नंद नगरी बरात की जगह तीन शव आए। सोनीपत में हुए सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। यह सुनते ही सब दंग रह गए। किसी ने नहीं सोचा था जो युवा हंसते हुए बारात में जा रहे थे वापसी में घर पर उनके शव आएंगे।

पूर्वी दिल्ली। नंद नगरी ई ब्लाक में सोमवार को मातम छाया रहा। चंडीगढ़ से नंद नगरी बरात की जगह तीन शव आए, जिस वक्त शव एंबुलेंस से नंद नगरी पहुंचे तो बुजुर्ग से लेकर बच्चे तक सड़क पर आ गए। सबकी आंखों में आंसू थे। किसी ने नहीं सोचा था जो युवा हंसते हुए बारात में जा रहे थे, वापसी में घर पर उनके शव आएंगे।

खुशियां मातम में बदलीं

शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। नंद नगरी निवासी नाजिम नाम के शख्स की बारात रविवार सुबह सात बजे चंडीगढ़ गई थी। दो बस व कारों में बरात गई थी। दूल्हा का भाई आजम अपने चचेरे भाई दिलशाद, दूर के रिश्तेदार जैद, जाकिर, नदीम के साथ सुबह दस बजे चंडीगढ़ के लिए गया था।

बस ने कार को मारी टक्कर

पांचों ई ब्लाक में रहते थे और घर आसपास ही हैं। शाम सात बजे बारात वापस लौट रही थी। नाजिम ने बताया कि हादसे के वक्त दिलशाद कार चला रहा था, जबकि आजम अगली सीट पर बैठा हुआ था। दोनों ने सीट बेल्ट लगा रखी थी। बरात में शामिल वाहनों में काफी दूरियां थी। रात दो बजे हरियाणा पुलिस का कॉल आया कि एक कार को बस ने टक्कर मार दी है।

हादसे में चार की मौत, एक घायल

चार लोगों की मौत हुई है और एक घायल है। यह सुनते ही सब दंग रह गए। रास्ते से बरात को सोनीपत के अस्पताल लेकर गए। सोमवार को उनके भाई आजम का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। बाकी तीन लोगों के शव पोस्टमार्टम के बाद नंद नगरी के कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक कर दिए हैं।

आजम अपने भाई की शादी को लेकर काफी उत्साहित था। मंगलवार दोपहर को उसके भाई का वलीमा था। एकसाथ चार मौत की वजह से कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। आजम विश्वास नगर इलाके में ग्रीस की फैक्ट्री में नौकरी करता था। हादसे में जान गंवाने वाले जैद उर्फ फैजल का कबाड़ का कारोबार था।ढपरिवार में पिता शौकीन अली, मां रेशमा, पत्नी और दो बच्चे हैं। इसके परिवार के सदस्य भी बरात में शामिल थे। लेकिन वह सब बस में थे। नदीम घर के पास ही परचून की दुकान चलाते थे। इनके परिवार में पिता सलीम, मां नाजमा और दो बड़े भाई हैं। जाकिर का कपड़े रंगाई का काम था। उनके परिवार में पिता अंसार अहमद, मां और दो बहनें हैं।

वायुसेना के इंजीनियरों ने मात्र 1.5 करोड़ में तैयार कर दिया बोइंग विमान का रडार, US कंपनी ने मांगे थे 20 गुना ज्यादा पैसे

वन बेस रिपेयर डिपो (1 बीआरडी) और भारतीय वायु सेना के इंजीनियरों ने बड़ी सफलता हासिल की है। इंजीनियरों ने बोइंग -737-200 विमान के रडार को बदलने का अध्ययन किया और महज 1.3 करोड़ रुपये में मौसम रडार बनने के बाद उसे बदल दिया। वहीं अमेरिकी कंपनी ने इसी काम के लिए 30 करोड़ रुपये मांग थे।

साहिबाबाद। बोइंग -737-200 विमान के रडार को बदलने के लिए अमेरिकी कंपनी ने 30 करोड़ रुपये मांग थे। वन बेस रिपेयर डिपो (1 बीआरडी) और भारतीय वायु सेना के इंजीनियरों ने इस पर अध्ययन किया। महज 1.3 करोड़ रुपये में मौसम रडार बनने के बाद उसे बदल दिया।

इसे बनाने से ज्यादा विमान में लगाना मुश्किल था। दुनिया भर में इस तरह के केवल 40 बोइंग विमान हैं। विमान के मौसम रडार की विफलता के कारण इसके संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। आवश्यक पुर्जे उपलब्ध नहीं होने के कारण मौसम रडार का रखरखाव इंजीनियरों के लिए कठिन हो गया था।

अमेरिकी कंपनी ने मांगे थे 30 करोड़ रुपये

मौसम रडार में दिक्कत आने के बाद उसे बदलवाने के लिए अमेरिकी बोइंग कंपनी ने 30 करोड़ रुपये की मांग की थी, जिसके बाद भारतीय वायु सेना ने एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड और राकवेल कंपनी के साथ 7.38 करोड़ रुपये में इसे बदलवाने का अनुबंध किया। बाद में दोनों कंपनियों ने हाथ खड़े कर दिए।

181 फ्लाइट, वायु सेना और वन बीआरडी ने बोइंग में मौसम रडार बदलने का अध्ययन शुरू किया। पांच माह में रडार को बदलने में सफलता हासिल की, जिसके बाद आरसीएमए से रडार लगाने की मंजूरी मिल गई। रडार बदलने के बाद विमान की क्षमता बढ़ गई है। पूर्व में मौसम रडार लगा होने के कारण मानसून और विपरीत मौसम में मिशन को पूरा करने में विमान को 79 प्रतिशत सफलता मिल रही थी।

मुश्किल था मौसम रडार लगाना

रडार बदलने के बाद मिशन को पूरा करने में सफलता दर 91 प्रतिशत हो गई है। वायु सेना अकादमी हैदराबाद के इंजीनियरों ने बताया कि मौसम रडार को बनाने से मुश्किल था इसे विमान में लगाना। रडार लगाने में सफलता मिलना बड़ी उपलब्धि है। बोइंग विमान एक विशाल व्यावसायिक विमान है, जिसे भारत ने अमेरिका से खरीदा था।

यह बोइंग विमान

अमेरिका की बोइंग कंपनी इसका मेंटेनेंस करने की मोटी रकम वसूल करती थी। अब भारत में ही इसका मेंटेनेंस किया जा रहा है। अब विदेश पर इसके मेंटेनेंस की निर्भरता खत्म हो गई है। आने वाले समय में भारत में बोइंग जैसे विमान बनाए जाएंगे।

बोइंग -737-200 विमान की मौसम रडार को लगाने में भारत ने सफलता हासिल की है। इसे महज 1.3 करोड़ रुपये में बदल दिया गया। - नंदी इंद्रनील, विंग कमांडर, भारतीय वायु सेना।

सेक्टर-62 में NH-9 पर कार और बाइक्स की हुई भिड़ंत, महिला समेत तीन लोग घायल

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा के कोतवाली सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर-62 के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-9 स्थित शिप्रा कट के ऊपर ब्रेजा कार और दो बाइक की भिड़ंत हो गई। इसमें एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए हैं। घायलों में ब्रेजा कार का चालक भी शामिल है। सभी घायलों को गाजियाबाद स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नोएडा। नोएडा के कोतवाली सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर-62 के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-9 स्थित शिप्रा कट के ऊपर ब्रेजा कार और दो बाइक की भिड़ंत हो गई। इसमें एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए हैं। घायलों में ब्रेजा कार का चालक भी शामिल है। सभी घायलों को गाजियाबाद स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महिला को बेरहमी से पीट रहे दबंग, सोशल मीडिया पर VIDEO वायरल

गाजियाबाद के मुरादनगर से जुड़ा सोशल मीडिया पर सोमवार को महिला से दबंगों द्वारा मारपीट करने का एक वीडियो वायरल हुआ। दो दबंग एक महिला को बेरहमी से पीट रहे हैं। गाली गलौज करते हुए लात घूंसों से उनपर ताबड़तोड़ वार कर रहे हैं।

मुरादनगर। सोशल मीडिया पर सोमवार को महिला से दबंगों द्वारा मारपीट करने का एक वीडियो वायरल हुआ। दो दबंग एक महिला को बेरहमी से पीट रहे हैं। गाली गलौज करते हुए लात घूंसों से उनपर ताबड़तोड़ वार कर रहे हैं।

डिफेंस कालोनी की बताई जा रही घटना

घटना मुरादनगर थाना क्षेत्र की डिफेंस कालोनी की बताई जा रही है। वीडियो को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपलोड करते हुए पुलिस उच्चाधिकारियों से शिकायत की गई है। पुलिस को फिलहाल कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। यह वीडियो करीब एक मिनट का है। इसमें एक महिला खड़ी है।

जमीन पर गिराकर की पिटाई

इस बीच पड़ोसी दो व्यक्ति वहां आते हैं और महिला से गाली-गलौज करने लगते हैं। देखते ही देखते आरोपित महिला को पीटने लगते हैं। उन्हें जमीन पर गिराकर बेरहमी से पीटते हैं। एक व्यक्ति महिला को बचाता है तो आरोपित उससे भी गाली-गलौज करते हैं। यह सब पास में ही खड़े एक युवक ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। सोमवार को घटना का वीडियो प्रसारित हो गया। एसीपी मसूरी ने बताया कि वीडियो के आधार पर आरोपित की पहचान करने की कोशिश चल रही है। कोई लिखित शिकायत अभी नहीं मिली है।

साल के अंत तक लग जाएंगे पांच लाख स्मार्ट मीटर, स्मार्ट ग्रिड का 80 प्रतिशत काम पूरा

टाटा कंपनी के प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए बिजली निगम के अधिकारी लगातार प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रोजेक्ट को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। आखिर कब तक पूरा होगा स्मार्ट ग्रिड प्रोजेक्ट प्रोजेक्ट से क्या होगा लाभ सहित कई सवालों को लेकर दैनिक जागरण के महावीर यादव ने स्मार्ट ग्रिड प्रोजेक्ट के मुख्य अभियंता वीके अग्रवाल से बातचीत की।

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति करने के लिए छह साल पहले 1138 करोड़ रुपये का स्मार्ट ग्रिड प्रोजेक्ट चालू करने की योजना बनाई। 580 फीडर को स्मार्ट बनने के लिए चार टेंडर तीन कंपनियों टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड, विद्या टेलीलिंक और एलएंडटी को दिए।

विद्या टेलीलिंक को 148 और एलएंडटी को 119 फीडर का काम दिया गया। पूरे प्रोजेक्ट में 2019 किलोमीटर एचटी लाइन भूमिगत दबाई जानी है। इसमें से 1837 किलोमीटर केबल दबाई जा चुकी है। इन दोनों कंपनियों ने सभी फीडर चालू कर बिजली निगम को सौंप दिए हैं।

टाटा के दो 147 और 166 फीडर अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। टाटा कंपनी के प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए बिजली निगम के अधिकारी लगातार प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रोजेक्ट को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। काम तेजी से न होने के कारण टेंडर रद्द करने तक का भी कंपनी को नोटिस दिया गया है। आखिर कब तक पूरा होगा स्मार्ट ग्रिड प्रोजेक्ट, प्रोजेक्ट से क्या होगा लाभ सहित कई सवालों को लेकर दैनिक जागरण के महावीर यादव ने स्मार्ट ग्रिड प्रोजेक्ट के मुख्य अभियंता वीके अग्रवाल से बातचीत की। प्रस्तुत है बातचीत के प्रमुख अंशः

दो साल में पूरा होने वाला प्रोजेक्ट छह साल बाद भी पूरा क्यों नहीं हो पाया है?

चार अलग-अलग प्रोजेक्ट में से दो प्रोजेक्ट पूरी तरह से तैयार हो चुके हैं। दो प्रोजेक्ट को लेकर कुछ ढील हुई है। इसके लिए दो दिन पहले ही बिजली निगम के निदेशक (प्रोजेक्ट्स) सुरेश बंसल ने प्रोजेक्ट से जुड़े सभी अधिकारियों की बैठक ली है।

इसमें आने वाली समस्याओं की समीक्षा की गई। प्रबंध निदेशक अमित खत्री भी खुद इस प्रोजेक्ट की लगातार निगरानी कर रहे हैं। टाटा कंपनी को बिजली निगम की तरफ से पूरी मदद करने के साथ ही जल्द से जल्द प्रोजेक्ट को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

टेंडर लेने वाली कंपनी की तरफ से काम पूरा करने का क्या आश्वासन है?

उम्मीद है दीपावली से पहले एक प्रोजेक्ट से शहर की बिजली आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। दूसरे प्रोजेक्ट को 31 मार्च तक पूरा करने का आश्वासन दिया है। टाटा का एक प्रोजेक्ट बिल्कुल पूरा होने की स्थिति में है।

एचटी केबल बिछाने का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अगर पूरे प्रोजेक्ट की बात करें तो 80 प्रतिशत काम हो चुका है। जल्द ही लोगों को इस प्रोजेक्ट से बिजली आपूर्ति की जाएगी।

प्रोजेक्ट में देरी के क्या कारण सामने आ रहे हैं। टेंडर लेने वाली कंपनी के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है?

प्रोजेक्ट में देरी के कई कारण सामने आए हैं। केवल दबाने के लिए खुदाई करने का काफी स्थान पर लोग विरोध करते हैं। टाटा प्रोजेक्ट के पास मैनपावर की भी कमी दिखी है।

वर्क ऑर्डर के हिसाब से जो कार्रवाई होनी चाहिए थी। वह कार्रवाई की जा रही है। टेंडर को रद्द करने तक का भी नोटिस दिया गया है। इसके अलावा काम में देरी पर जुर्माना भी लगाया गया है।

80 रुपये वाला प्याज सिर्फ 50 रुपये किलो, गाजियाबाद की इस मंडी में क्यों मिल रहा इतना सस्ता?

साहिबाबाद मंडी समिति की ओर से आम लोगों को राहत देने के लिए आज यानी मंगलवार सुबह से नवीन फल और सब्जी मंडी में प्याज का स्टाल लगाया जाएगा। स्टाल से लोग 50 रुपये प्रति किलो प्याज खरीद सकेंगे। प्रति ग्राहक एक किलो प्याज दी जाएगी। अभी प्याज के दाम कम होने पर एक माह का समय लग सकता है।

साहिबाबाद। मंडी समिति की ओर से आम लोगों को राहत देने के लिए आज यानी मंगलवार सुबह से नवीन फल व सब्जी मंडी में प्याज का स्टाल लगाया जाएगा। स्टॉल से लोग 50 रुपये प्रति किलो प्याज खरीद सकेंगे। प्रति ग्राहक एक किलो प्याज दी जाएगी। अभी प्याज के दाम कम होने पर एक माह का समय लग सकता है।

कृषि के जानकारों का मानना है कि मई में अधिक वर्षा होने के कारण प्याज का स्टाक नहीं हो सका। उस समय प्याज सस्ते दाम पर बिक रही थी। लोगों ने प्याज ज्यादा खरीदी थी। जब समय प्याज की फसल के लिए वर्षा की जरूरत थी, तब वर्षा नहीं हुई। जिस वजह से उत्पादन कम हुआ।

बेमौसम बरसात ने बढ़ाए प्याज के दाम

बेमौसम वर्षा का अब आकर प्याज के दाम पर असर दिख रहा है। फुटकर में प्याज 70 से 80 रुपये किलो बिक रही है। जिस वजह से लोगों की थाली से प्याज गायब होनी शुरू हो गई है। लोगों ने प्याज खरीदनी कम कर दी है।

आम लोगों को मिलेगी राहत

आम लोगों को राहत देने के लिए मंडी समिति ने प्याज का स्टाल लगाने का निर्णय लिया है। यह स्टाफ समिति कार्यालय के सामने सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक लगेगा। कोई भी व्यक्ति सस्ते दाम पर स्टाल से प्याज खरीद सकता है।

अदरक की मांग बढ़ी

मौसम बदल रहा है। लोगों को जुकाम और वायरल हो रहा है। लोग चाय और सब्जी में अदरक खूब खा रहे हैं। अदरक की मांग बढ़ गई है। अदरक फुटकर में 120 रुपये से 140 रुपये प्रति किलो बिक रही है। लहसुन के दाम भी अधिक हैं। लहसुन 170 से 180 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

सब्जी थोक भाव क्विंटल में फुटकर भाव किलो में

प्याज	3800	70 से 80
टमाटर	1950	40
आलू	1200	20
लहसुन	9050	170
अदरक	6500	120
हरी मिर्च	3500	70
बंद गोभी		1350
30		
फूल गोभी		245
50		
मूली	1150	25
बैंगन	1960	40
लौकी	1250	30
खीरा	1950	40
भिंडी	2450	50
कद्दू	1360	30
करेला	1960	40
शिमला मिर्च		4150
80		

प्याज के दाम बढ़ने के कारण

वर्षा के कारण मई में प्याज का स्टाक न होना

बेमौसम वर्षा होने पर उत्पादन कम होना

कुछ लोगों का द्वारा प्याज की जमाखोरी करना

गाजियाबाद में इन राज्यों से आती है प्याज

महाराष्ट्र
मध्य प्रदेश
राजस्थान
गुजरात
बेंगलुरु

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का वातावरण संपूर्ण भारतवर्ष में दिखायी देने लगा है

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

दुर्भाग्य से हमारी राजनीति में भी कुछ दल ऐसे भी हैं, जिनके लिए वोट की राजनीति ही सबकुछ है। चूँकि लोकतंत्र में जनता का समर्थन चाहिए होता है, इसलिए ये राजनीतिक दल समाज को टुकड़ों-टुकड़ों में बाँटकर अपना पक्ष मजबूत करने के प्रयत्न कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की परंपरा में विजयादशमी के उत्सव पर सरसंघचालक के उद्बोधन का विशेष महत्व है। विजयादशमी हिन्दुओं का बड़ा सामाजिक उत्सव होने के साथ ही संघ की स्थापना का उत्सव भी है। इस उत्सव में सरसंघचालक जी का जो उद्बोधन होता है, उसमें स्वयंसेवकों के लिए पाथेय रहता है। इसके साथ ही उनके भाषण में समसामयिक मुद्दों को लेकर समाज की सज्जन शक्ति के लिए भी संदेश रहता है। चूँकि आज संघ पर सबकी निगाहें रहती हैं और विभिन्न विषयों को लेकर संघ के दृष्टिकोण को जानने की भी अपेक्षा रहती है, इसलिए भी विजयादशमी पर होने वाले सरसंघचालक के उद्बोधन को लेकर सबको विशेष उत्सुकता रहती है। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने अपने उद्बोधन में सब प्रकार की बातों को ध्यान रखा। उन सब मुद्दों पर संघ का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिन पर देशभर में चर्चाएं चल रही हैं। विजय का पर्व है, इसलिए देशवासियों के मन में उत्साह का संचार हो इसलिए उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत भारत की उपलब्धियों के साथ ही की। वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती, छत्रपति शिवाजी महाराज के हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना के 350वें वर्ष, छत्रपति शाहू जी महाराज की 150वीं जयंती और संत श्रीमद् रामलिंग वल्ललार की 200वीं जयंती का उल्लेख करके उन्होंने यही संदेश दिया है कि अमृतकाल में जब हम भारत के 'स्व' के जागरण का उपक्रम कर रहे हैं, तब हमें ऐसी महान विभूतियों के जीवन से अवश्य ही प्रेरणा लेनी चाहिए। एक सामर्थ्यशाली राष्ट्र के निर्माण के लिए व्यवहार से लेकर व्यवसाय में और व्यक्ति से लेकर राष्ट्र की नीति में, 'स्व' दिखना चाहिए।

देश एक करवट ले रहा है। सांस्कृतिक पुनर्जागरण का एक वातावरण भारत में दिखायी देने लगा है। अमृतकाल को अवसर मानकर एक बार फिर भारत अपने 'स्व' की ओर बढ़ रहा है। विश्व पटल पर भी अब भारत अपने 'स्व' के साथ अभिव्यक्त हो रहा है। इसके प्रमाण स्वरूप सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने 'जी-20 समूह' पर भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की छाप को उल्लेखित किया। यह तो स्पष्ट ही दिखायी देता है कि भारत की अध्यक्षता में विश्व के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह का दृष्टिकोण ही बदल गया। यह समूह अब तक अर्थ को केंद्र में रखकर दुनिया का विचार करता था, लेकिन अब इसका केंद्र बिन्दु मानव हो गया है। निःसंदेह, सरसंघचालक जी ने ठीक ही कहा कि "भारत के विशिष्ट विचार एवं दृष्टि के कारण संपूर्ण विश्व के चिंतन में वसुधैव कुटुम्बकम्की दिशा जुड़ गई। जी-20 का अर्थकेन्द्रित विचार अब मानव केन्द्रित हो गया"। जी-20 समूह की अध्यक्षता की ऐतिहासिक घटना का उल्लेख उन्होंने संभवतः इसलिए भी किया होगा, ताकि हम भारत के बढ़ते सामर्थ्य एवं गौरव की अनुभूति कराने वाली इस घटना को भूल न जाएं।

सबकुछ स्पष्ट कर देंगे ये प्रश्न

देश की प्रगति को बाधित करने के प्रयत्नों में लगी शक्तियों की ओर भी समाज की सज्जनशक्ति का ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास सरसंघचालक जी ने किया। उनके द्वारा उठाए गए ये प्रश्न विचारणीय हैं कि लगभग एक दशक से शांत मणिपुर में अचानक यह आपसी फूट की आग कैसे लग गई? क्या हिंसा करने वाले लोगों में सीमापार के अतिवादी भी थे? अपने अस्तित्व एवं भविष्य के प्रति आशंकित मणिपुरी मैतेयी समाज और कुकी समाज के इस आपसी संघर्ष को सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास क्यों और किसके द्वारा हुआ? वर्षों से वहाँ पर सबकी समदृष्टि से सेवा करने में लगे संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटने का प्रयास करने में किसका निहित स्वार्थ है? इस सीमा क्षेत्र में नागाभूमि व मिजोरम के बीच स्थित मणिपुर में ऐसी अशांति व अस्थिरता का लाभ प्राप्त करने में किन विदेशी सत्ताओं को रुचि हो सकती है? क्या इन घटनाओं का कारण परंपराओं में दक्षिण पूर्व एशिया की भू- राजनीति की भी कोई भूमिका है? देश में मजबूत सरकार के होते हुए भी यह हिंसा किन के बलबूते इतने दिन बेरोकटोक चलती रही है? गत 9 वर्षों से चल रही शान्ति की स्थिति को बरकरार रखना चाहने वाली राज्य सरकार होकर भी यह हिंसा क्यों भड़की और चलती रही? आज की स्थिति में जब संघर्षरत दोनों पक्षों के लोग शांति चाह रहे हैं, उस दिशा में कोई सकारात्मक कदम उठता हुआ दिखते ही कोई हादसा करवा कर, फिर से विद्वेष एवं हिंसा भड़काने वाली ताकतें कौन सी हैं?

ये प्रश्न ऐसे हैं, जो भारत के प्रति भक्ति का भाव रखनेवाले प्रत्येक भारतीय नागरिक के मन में पहले दिन से उठ रहे हैं। वह भी इन प्रश्नों के उत्तर खोज रहा है। वह उत्तर तक पहुँच भी रहा है। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में जब हिंसा के कारण सामान्य जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, तब वहाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता जमीन पर उतरकर, बिना किसी भेदभाव के, दोनों ही वर्गों के बीच राहतकार्य संचालित कर रहे हैं। इसलिए संघ मणिपुर की हिंसा का सच अधिक नजदीक से देख पा रहा है। स्मरण रखें कि देश में जिस प्रकार का हिन्दुत्व का वातावरण बना है और राष्ट्रीय विचार की सरकार सत्ता के केंद्र में है, ऐसे में समाजकंटक ताकतों के फलने-फूलने के अवसर समाप्त हो गए हैं। यह भी कि पिछले कुछ वर्षों में सभी क्षेत्रों में भारत जिस तरह मजबूती से बढ़ रहा है, वह भी भारत विरोधी ताकतों को पच नहीं रहा है। ये अभारतीय ताकतें किसी भी कीमत पर हिन्दुत्व और राष्ट्रीय विचार को कमजोर करके भारत की प्रगति बाधित करना चाहती हैं। इसलिए पंजाब से लेकर मणिपुर और तमिलनाडु से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, ये ताकतें समाज में अराजक वातावरण बनाने की साजिशें रच रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में हुए अराजक आंदोलनों के पीछे भी इन ताकतों की भूमिका रही है।

समाज की एकता के लिए हमें राजनीति से अलग होकर समाज का विचार करते हुए चलना पड़ेगा

दुर्भाग्य से हमारी राजनीति में भी कुछ दल ऐसे भी हैं, जिनके लिए वोट की राजनीति ही सबकुछ है। चूँकि लोकतंत्र में जनता का समर्थन चाहिए होता है, इसलिए ये राजनीतिक दल समाज को टुकड़ों-टुकड़ों में बाँटकर अपना पक्ष मजबूत करने के प्रयत्न कर रहे हैं। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने इस प्रकार की राजनीति से भी सतर्क रहने के संकेत किए हैं। इन सब प्रयत्नों को विफल करने के लिए उन्होंने एक मंत्र दिया है- "यह भारत माता है, जो हम सबको जोड़ती है"। उन्होंने यह भी कहा कि समाज को एकजुट करने के लिए अनेक स्तरों पर काम करना होगा। समाज की सज्जनशक्ति को अपना बहुत कुछ दांव पर लगाना होगा। दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति के कारण उत्पन्न परस्पर अविश्वास की खाई को पाटने में समाज के प्रबुद्ध नेतृत्व को एक विशेष भूमिका निभानी होगी। हमें सदैव स्मरण करते रहना चाहिए- "हमारे देश में विद्यमान सभी भाषा, प्रान्त, पंथ, संप्रदाय, जाति, उपजाति इत्यादि विविधताओं को एक सूत्र में बाँधकर एक राष्ट्र के रूप में खड़ा करने वाले तीन तत्व (मातृभूमि की भक्ति, पूर्वज गौरव एवं सबकी समान संस्कृति) हमारी एकता का अक्षुण्ण सूत्र हैं"।

15 लाख से भी कम कीमत में आती हैं ये टर्बो पेट्रोल इंजन वाली कारें, दमदार इंजन के साथ मिलता है बढ़िया माइलेज

अगर आप भी कम दाम में एक ऐसी कार तलाश रहे हैं जो टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ आती है तो अपने इस लेख में हम आपके लिए ऐसी ही लिस्ट लेकर आए हैं। अगर आपका बजट 10 लाख रुपये तक है तो आप Hyundai i20 N-Line की तरफ जा सकते हैं। i20 एन-लाइन वर्तमान में देश में एकमात्र बढ़िया परफॉरमेंस हैचबैक है।

नई दिल्ली। देश की ऑटो इंडस्ट्री में लगातार टर्बो पेट्रोल इंजन की लोकप्रियता बढ़ रही है। ये इंजन न केवल बेहतर फ्यूल एफिशियंशी के साथ आते हैं, बल्कि नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन की तुलना में काफी बेहतर परफार्म भी करते हैं। अगर आप भी कम दाम में एक ऐसी कार तलाश रहे हैं, जो टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ आती है, तो अपने इस लेख में हम आपके लिए ऐसी ही लिस्ट लेकर आए हैं।

1. Hyundai i20 N-Line

अगर आपका बजट 10 लाख रुपये तक है तो आप Hyundai i20 N-Line की तरफ जा सकते हैं। i20 एन-लाइन वर्तमान में देश में एकमात्र बढ़िया परफॉरमेंस हैचबैक है। i20 N-लाइन 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल यूनिट के साथ उपलब्ध है जो 118bhp की पावर और 172Nm का टॉर्क रिलीज करता है जो कि 6-स्पीड मैनुअल या 7-स्पीड DCT यूनिट के साथ जुड़ा हुआ है। यह 9.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर दो वेरिएंट में उपलब्ध है।

2. Mahindra XUV300 TurboSport

XUV300 TurboSport 1.2-लीटर mStallion TGDi टर्बो पेट्रोल के साथ आती है जो अब 130bhp पॉवर और 250Nm टॉर्क रिलीज करती है। ये केवल 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ आता है। यह एकमात्र एसयूवी है जिसमें फ्रंट सस्पेंशन मिलता है जो एक एंटी-रोल बार के साथ मैकफर्सन स्ट्रट है जो इसे कोनों में लगाए रखने में मदद करता है। सबकॉम्पैक्ट एसयूवी 4 वेरिएंट में उपलब्ध है और इसकी कीमत 9.3 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

3. Hyundai Venue N-Line

हुंडई वेन्यू एन-लाइन हुंडई वेन्यू का एक स्पोर्टी वेरिएंट है जिसमें 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल यूनिट भी मिलती है। लेकिन इस वर्जन में इसे 120bhp पर थोड़ी ज्यादा पावर और 172Nm का टॉर्क मिलता है। ट्रांसमिशन ऑप्शन की बात करें तो इसमें 6-स्पीड मैनुअल और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स शामिल है। हुंडई वेन्यू एन-लाइन आई20 एन-लाइन के समान दो वेरिएंट में उपलब्ध है और इसकी कीमत 12.08 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

4. Maruti Suzuki Fronx

खूबसूरत 1.0-लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन फ्रोंक्स के साथ वापस आ गया है और अब इसे 99bhp की पावर और 147Nm का टॉर्क पैदा करने के लिए तैयार किया गया है। टर्बो पेट्रोल यूनिट में एक शानदार मिडरेंज है जो बेहतर माइलेज भी देगा। इंजन को या तो 5-स्पीड मैनुअल या 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर यूनिट से जोड़ा गया है। इसे 9.72 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर 3 वेरिएंट में लिया जा सकता है।

5. Citroen C3

Citroen C3 टर्बो पेट्रोल संस्करण में उपलब्ध है जिसमें 1.2-लीटर 3-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल यूनिट से 110bhp की पावर और 190Nm का टॉर्क मिलता है। हाल ही में एक लोकप्रिय यूट्यूब चैनल द्वारा आयोजित ड्रैग रेस में, साधारण Citroen C3 ने Mahindra XUV300 TurboSport को हराने में कामयाबी हासिल की, जो अधिक पॉवरफुल है और इसमें अधिक टॉर्क है लेकिन साथ ही यह भारी भी है। टर्बो पेट्रोल यूनिट 8.28 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर 2 वेरिएंट में आती है।

होंडा कार्स इंडिया अपने ग्राहकों के लिए इस त्योहारी सीजन लाई विशेष पेशकश, स्पेशल सर्विस कैंप में मिल रहे ये ऑफर

Honda Cars India ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा है कि उसने देश भर में अपने खरीदारों के लिए एक विशेष उत्सव कार सेवा शिविर शुरू किया है। Honda Cars India ने यह भी कहा कि इस स्पेशल फेस्टिव कार सर्विस कैंप के हिस्से के रूप में होंडा कार मालिकों को व्हीकल पार्ट्स और लेबर चार्ज पर विशेष छूट की पेशकश की जाएगी।

नई दिल्ली। Honda Cars India ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा है कि उसने देश भर में अपने खरीदारों के लिए एक विशेष उत्सव कार सेवा शिविर शुरू किया है। कंपनी की ओर से ये स्पेशल फेस्टिव कार सर्विस कैंप 16 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, 2023 के बीच पूरे भारत में अधिकृत होंडा डीलरशिप पर आयोजेत किया जाएगा।

ऑटो निर्माता ने यह भी कहा कि इस विशेष शिविर के माध्यम से, कंपनी एक कार चेकिंग सहित कई प्रकार की सेवाएं प्रदान करेगी। इसमें कार के टायर और बैटरी की जांच भी शामिल है। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

स्पेशल कैंप में ग्राहकों को मिलेंगी ये सुविधाएं

Honda Cars India ने यह भी कहा कि इस स्पेशल फेस्टिव कार सर्विस कैंप के हिस्से के रूप में, होंडा कार मालिकों को व्हीकल पार्ट्स और लेबर चार्ज पर विशेष छूट की पेशकश की जाएगी। साथ ही उन्हें मुफ्त कार धोने की भी पेशकश की जाएगी। होंडा कार्स इंडिया ने आगे कहा कि उसके ग्राहकों को ब्यूटिफिकेशन, पेंट ट्रीटमेंट और टायर खरीद जैसी वैल्यू-ऐडेड सर्विसेस पर विशेष छूट मिलेगी।

इस स्पेशल कैंप के बारे में बोलते हुए होंडा कार्स इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग के वाइस प्रेसिडेंट कुणाल बहल ने कहा कि ये राष्ट्रव्यापी कार सेवा शिविर ग्राहकों को विभिन्न ऑफर और लाभों के साथ कई प्रकार की सेवाएं प्रदान करेगा।

उन्होने आगे कहा,

हमें मौजूदा त्योहारी सीजन के लिए अपने सभी ग्राहकों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए खुशी हो रही है। उत्सव के हिस्से के रूप में, हम विभिन्न रोमांचक प्रस्तावों और लाभों के साथ सेवाओं की एक सीरीज की पेशकश करते हुए एक राष्ट्रव्यापी उत्सव कार सेवा शिविर की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं। हमारे ग्राहकों से आग्रह है कि वे इन लाभों का लाभ उठाने और होंडा परिवार का हिस्सा बनने की खुशी का अनुभव करने के लिए अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाएं।

एक्सेसरीज, पार्ट्स और क्रैश रिपेयर पर विशेष छूट

कार निर्माता ने यह भी कहा कि वह विशेष शिविर के दौरान विभिन्न एक्सेसरीज, पार्ट्स और क्रैश रिपेयर पर छूट दे रही है। उत्सव शिविर के दौरान, ग्राहक अपनी पुरानी कारों के निःशुल्क मूल्यांकन के साथ-साथ टेस्ट ड्राइव के माध्यम से होंडा सेंसिंग की एडास तकनीक का भी एक्सपीरिएंस ले सकते हैं।

रॉयल इनफील्ड हिमालियन 452: जानें इस अपकमिंग बाइक से जुड़ी 5 बड़ी बातों के बारे में

आरई हिमालयन 452 एडवेंचर बाइक DOHC कॉन्फिगरेशन के साथ एक बिल्कुल नए 451.66 सीसी लिक्विड-कूल्ड 4-वाल्व इंजन द्वारा संचालित होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ये इंजन कथित तौर पर यह इंजन 8000rpm पर लगभग 39.57bhp की पावर और 40-45Nm का पीक टॉर्क पैदा करता है। लीक हुई जानकारी से पता चलता है कि मोटरसाइकिल का पावर-टू-वेट रेशियो लगभग 201.4bhp/टन होगा जो मौजूदा हिमालयन 411 (120.4bhp/टन) से लगभग दोगुना है।

नई दिल्ली। Royal Enfield Himalayan 452 जल्द ही इंडियन मार्केट में लॉन्च होने वाली है। अगले महीने इस लॉन्च किया जा सकता है। अगर आप भी रॉयल एनफील्ड की इस कार को खरीदना चाहते हैं तो आपके इसके बारे में डिटेल में जानना बेहद जरूरी है। इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं रॉयल एनफील्ड 452 से जुड़े 5 बड़े प्वाइंट्स के बारे में।

Royal Enfield Himalayan 452 कलर ऑप्शन?

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, Royal Enfield Himalayan 452 को कुल 3 कलर ऑप्शन में पेश किया जा सकता है। हालांकि कंपनी की ओर से कोई भी ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

Himalayan 452 संभावित कीमतें

नई रॉयल एनफील्ड हिमालयन 452 की कीमत लगभग 2.60-2.70 लाख (एक्स-शोरूम) रुपये से शुरू होने की उम्मीद है।

कितना दमदार है इसका इंजन?

नई आरई हिमालयन 452 एडवेंचर बाइक DOHC कॉन्फिगरेशन के साथ एक बिल्कुल नए 451.66 सीसी लिक्विड-कूल्ड, 4-वाल्व इंजन द्वारा संचालित होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, ये इंजन कथित तौर पर यह इंजन 8,000rpm पर लगभग 39.57bhp की पावर और 40-45Nm का पीक टॉर्क पैदा करता है। लीक हुई जानकारी से पता चलता है कि मोटरसाइकिल का पावर-टू-वेट रेशियो लगभग 201.4bhp/टन होगा, जो मौजूदा हिमालयन 411 (120.4bhp/टन) से लगभग दोगुना है। इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा जाएगा।

Royal Enfield Himalayan 452 संभावित फीचर्स

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 450 में एक बड़ी विंडस्क्रीन और एक चोंच के आकार का फ्रंट मडगार्ड होगा, जैसा कि टीजर वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। फीचर्स की बात करें तो ये मोटरसाइकिल ऑल-एलईडी लाइटिंग, एक यूएसडी फोर्क और एक नए सिंगल-पॉड इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर से लैस होगी।

Himalayan 452 Wheels & Tyres

अपकमिंग एडवेंचर बाइक के फ्रंट में 21 इंच के व्हील साइज मिल सकते हैं वहीं रियर में 17 इंच के वायर स्पोक व्हील मिलने की संभावनाएं हैं। इस व्हीकल में ट्यूब वाले टायर्स का इस्तेमाल किए जाने की संभावनाएं हैं।

चुनौतियों के बीच आशावादी आर्थिकी

डा. जयंती लाल भंडारी

निःसंदेह यद्यपि भारत ने डिजिटलीकरण और सार्वजनिक बुनियादी ढांचा निर्माण में काफी प्रगति की है, मगर इस समय कारोबारी माहौल और निवेशकों के विश्वास को बेहतर बनाने के लिए और अधिक संरचनात्मक सुधारों की जरूरत है। भारत नए वैश्विक आर्थिक अवसरों को मुट्ठियों में लेते हुए दिखाई देगा'

इन दिनों जब दुनिया इजराइल-हमास युद्ध, बढ़ती तेल कीमतों और गिरती वैश्विक विकास दर की चुनौतियों का सामना कर रही है, तब विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों और रिपोर्टों में भारत की आर्थिकी की आशावादी तस्वीर उभरकर आना सुकूनदेह है। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के उपभोक्ताओं और कारोबारों के विचारों का जो सर्वेक्षण प्रकाशित किया है, उसके निष्कर्षों में कारोबारी और वित्तीय विचार भारत में व्यापक तौर पर आर्थिक विस्तार को लेकर आशाजनक रुख दिखाते हैं। इस सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश में खुदरा महंगाई में कमी आ रही है, औद्योगिक उत्पादन बढ़ रहा है, बेरोजगारी में कमी आई है, कर राजस्व में सुधार हुआ है। जहां रोजगार की स्थिति में सुधार हुआ है, वहीं स्वरोजगार को अपनाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ी है। बैंक ऋण में अच्छी वृद्धि के मद्देनजर सबसे अधिक वृद्धि खुदरा और व्यक्तिगत ऋण में हुई है। इस सर्वेक्षण से संकेत मिल रहा है कि देश में उपभोक्ताओं के विचारों की नकारात्मकता कम हो रही है और अधिक से अधिक उपभोक्ता भविष्य में आमदनी बढ़ने के मामले में आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। भारतीय उपभोक्ताओं के आशावादी होने का एक बड़ा कारण एक ओर भारत को रूस से कम मूल्यों पर कच्चे माल की आपूर्ति होना है, वहीं भारत के द्वारा कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाई जाना भी है। पहले हम 27 देशों से कच्चे तेल का आयात करते थे, वहीं अब 39 देशों से कच्चे तेल का आयात कर रहे हैं।

इस तरह अर्थव्यवस्था की समग्र तस्वीर व्यापक तौर पर आशावादी नजर आ रही है। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट 2023 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था की आशावादी तस्वीर प्रस्तुत की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में जहां वैश्विक विकास दर 3 फीसदी रहेगी, वहीं भारत की विकास दर 6.3 फीसदी रहेगी। साथ ही भारत दुनिया में सबसे तेज विकास दर वाला देश है। इसी तरह पिछले दिनों 3 अक्टूबर को विश्व बैंक के द्वारा प्रकाशित इंडिया डेवलपमेंट अपडेट रिपोर्ट-2023 में भी कहा गया कि चालू वित्त वर्ष में निवेश और मांग के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.3 फीसदी की दर से बढने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था में शामिल भारत की विकास दर जी-20 देशों के बीच दूसरे स्थान पर है और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में औसतन लगभग दोगुनी है। इस ऊंची विकास दर की वजह मजबूत आर्थिक मांग, मजबूत सार्वजनिक बुनियादी ढांचा निवेश और मजबूत वित्तीय क्षेत्र है। विश्व बैंक की तरह दुनिया की प्रसिद्ध क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भी चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की तेज विकास दर के अनुमान प्रस्तुत किए हैं। एसएंडपी ने 6.6 फीसदी और फिच, एडीबी और आईसीडी ने 6.3 फीसदी के अनुमान लगाए हैं। इसी तरह रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.5 फीसदी रहने की संभावना है। चूंकि अमेरिका और रूस के साथ-साथ दुनिया के अधिकांश देशों के द्वारा भारत के साथ लगातार आर्थिक मित्रता के कदम बढ़ाए जा रहे हैं, ऐसे में भारत की सबसे ज्यादा विकास दर के साथ वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लिए वैश्विक आर्थिक अवसर भी बढने की संभावनाएं बनी हुई हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि इस वर्ष 2023 में जी-20 देशों की सफल अध्यक्षता के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तेज विकास की नई संभावनाएं निर्मित हुई हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन के ऐतिहासिक सफल आयोजन से जहां दुनिया में भारत की डिजिटल अहमियत मजबूत हुई है, वहीं भारत की नई डिजिटल पूंजी भारत की आर्थिक ताकत बनते हुए दिखाई दे रही है। अब भारत जी-20 देशों के साथ-साथ दुनिया के कई अन्य देशों के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) विकसित करने की नई भूमिका में है। दुनिया के आठ देशों ने अपने यहां डीपीआई के विकास के लिए भारत से समझौते किए हैं। जी-20 से जहां भारत विकासशील देशों, ग्लोबल साउथ के देशों और अफ्रीकी देशों के लिए और महत्त्वपूर्ण बना है, यह भी महत्त्वपूर्ण है कि जी-20 से भारत के वैश्विक व्यापार, भारत से निर्यात, भारत में विदेशी निवेश, भारत में विदेशी पर्यटन और भारत के डिजिटल विकास का नया क्षितिज सामने आया है। जी-20 से दुनिया में ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के मद्देनजर भारत की अहमियत बढ़ी है। जहां 55 देशों के प्राकृतिक संपदा संपन्न अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल कराकर भारत ने वैश्विक पटल पर अपनी कूटनीति का दबदबा बढ़ाया, वहीं चीन के आर्थिक प्रभुत्व वाले अफ्रीकी संघ के देशों में भारत ने चीन का रास्ता रोकने की जोरदार पहल भी की है।

अब भारत अफ्रीकी देशों में कृषि, स्वास्थ्य, फार्मेसी, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा व ढांचागत विकास के क्षेत्र में तेजी से कदम आगे बढ़ाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि जी-20 में घोषित हुए भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर (आईएमईसी) के माध्यम से रेल एवं जल मार्ग से भारतीय कंपनियों के लिए नए अवसरों का ऐसा ढेर लगाया जा सकेगा, जिससे चीन की तुलना में भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता भी बढ़ जाएगी। वस्तुतः आईएमईसी चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा जवाब भी है। अब आईएमईसी के तहत भारत से पश्चिम एशिया होते हुए यूरोप तक कॉरिडोर बनेगा और रेल लाइनें बिछेंगी। एक दूसरे के ऊर्जा और संचार क्षेत्रों को जोडने की भी व्यवस्था होगी। यूएई, सऊदी अरब, ईयू, फ्रांस, इटली और जर्मनी साझीदार देश होंगे। भविष्य में यह भारतीय अर्थव्यवस्था को यूरोप और पश्चिम एशिया के देशों की अर्थव्यवस्था से जोडने वाला एक अहम माध्यम बनेगा। जी-20 ने भारत में विदेशी पर्यटन की संभावनाओं के लिए अभूतपूर्व नया अध्याय भी लिखा है। निश्चित रूप से वर्तमान इजरायल-हमास संकट और बढ़ते कच्चे तेल के मूल्यों के बीच भारत के लिए वैश्विक आर्थिक अवसरों के बढने की संभावनाएं बनी हुई हैं। वैश्विक अवसरों को मुट्ठी में लेने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। चीन में मंदी और चाइना प्लस वन की रणनीति का लाभ लेने के लिए हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि इस समय भी चीन अगले कई दशकों के सबसे अहम कारोबारों के लिहाज से सर्वाधिक अनुकूल स्थिति में है। ऐसे में दुनिया का नया आपूर्तिकर्ता देश बनने के लिए भारत को अभूतपूर्व रणनीति के साथ आगे बढना होगा। जहां भारत को दुनिया के नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता और अफ्रीकी संघ में नए प्रभावी निर्यातक की भूमिका को मुट्ठी में लेना होगा, वहीं अभी से भारत को मध्यपूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर के तेज क्रियान्वयन के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढना होगा। यद्यपि भारत राजकोषीय रूप से अनुशासित रहा है और देश के केंद्रीय बैंक ने भी महंगाई को कम करने के लिए तेजी से काम किया है, लेकिन अब महंगाई नियंत्रण पर ध्यान बनाए रखना जरूरी है। निःसंदेह भारत के द्वारा यद्यपि भारत ने डिजिटलीकरण और सार्वजनिक बुनियादी ढांचा निर्माण में काफी प्रगति की है, मगर इस समय कारोबारी माहौल और निवेशकों के विश्वास को बेहतर बनाने के लिए और अधिक संरचनात्मक सुधारों की जरूरत है। हम उम्मीद करें कि ऐसे रणनीतिक प्रयासों से भारत इजराइल-हमास युद्ध और बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों से निर्मित चुनौतियों के बीच नए वैश्विक आर्थिक अवसरों को मुठ्ठियों में लेते हुए दिखाई देगा।

संपादक की कलम से

चुनाव आयोग की सक्रियता

भारत के चुनाव आयोग ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को 'कारण बताओ नोटिस' भेजने में देरी नहीं की। आयोग ने उन रथी यात्राओं को भी रोक दिया है, जिनमें सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को 'रथ-प्रभारी' बनने और भारत सरकार की परियोजनाओं का प्रचार करने को बाध्य करने का सर्कुलर तक जारी किया जा चुका था। हालांकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसी दौरान बयान दिया कि सीबीआई और ईडी 'कुत्ते की तरह' घूमती रहती हैं। प्रियंका और हिमंता ने जो सार्वजनिक बयान दिए थे, उनकी तुलना में गहलोत की टिप्पणी घोर आपत्तिजनक है, क्योंकि वह देश की प्रमुख जांच एजेंसियों को कोस रहे थे। जांच एजेंसियां संविधान और कानून के तहत कार्रवाई करती हैं और भारत सरकार के प्रति जवाबदेह हैं। देश में 55 साल से अधिक सालों तक कांग्रेस सत्तारूढ़ रही है। क्या वह भी सीबीआई और ईडी को 'कुत्ते की तरह' हांकती थी? चुनाव आयोग ने राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत को नोटिस भेजकर उनका स्पष्टीकरण नहीं मांगा अथवा अब भी नोटिस की कार्रवाई विचाराधीन है? बहरहाल आयोग ने कांग्रेस और भाजपा के दोनों स्टार नेताओं के बयानों को 'आदर्श आचार संहिता' के खिलाफ माना है। प्रियंका ने राजस्थान में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसा था कि उन्होंने एक मंदिर की दान-पेटी में 21 रुपए ही लिफाफे में रखकर डाले थे। दरअसल ऐसे तंज पर वोट नहीं मिला करते। प्रधानमंत्री का ऐसा सार्वजनिक अपमान चुनावी मुद्दा भी नहीं है और न ही जनता इसे स्वीकार करती है। जिस तरह अन्य राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने मुद्दों पर जनादेश हासिल करने को प्रचार कर रहे हैं, कांग्रेस महासचिव को भी मुद्दों तक ही सीमित रहना चाहिए था। यह मानसिकता ही 'सामंतवादी' है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने भी छत्तीसगढ़ के एक मंत्री पर जो टिप्पणी की थी, वह भी आचार संहिता का उल्लंघन करती थी। हिमंता तो संवैधानिक पद पर आसीन हैं, लिहाजा उनसे शब्दों और भाषा की मर्यादा की अधिक अपेक्षाएं हैं। यकीनन चुनाव आयोग की 'तुरंत कार्रवाई' उल्लेखनीय और प्रशंसनीय है, लेकिन 5 दिसंबर को पांच राज्यों में चुनाव-प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। यदि तब तक इन नेताओं के संतोषजनक स्पष्टीकरण आयोग तक नहीं पहुंचते हैं, तो इन नेताओं पर क्या कार्रवाई की जा सकेगी, यह चिंता और सरोकार का सवाल है। शायद इसीलिए कई संदर्भों में चुनाव आयोग को 'दंतहीन' माना गया है। चुनाव तो गुजर जाएंगे, नेताओं को जो बयान देने थे, वे दे चुके हैं, लिहाजा सियासत खेली जा चुकी है, लेकिन आचार संहिता के संरक्षण को लेकर आयोग की भूमिका क्या है? हालांकि असम के मुख्यमंत्री ने 'एक्स' (ट्विटर) पर लिखकर अपने बयान का स्पष्टीकरण दिया है और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को ही 'दोषी' करार दिया है। प्रियंका गांधी ने अपना पक्ष रखने के लिए व्हाट्स एप चैनल का इस्तेमाल किया है। सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हुए तीव्र और नाशक बातचीत करना झगड़ालू मुद्दा ही बना रहता है।

संवैधानिक स्पष्टीकरण के लिए सोशल मीडिया कोई उचित मंच नहीं है। उसकी वैधानिकता भी नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां राजनीतिज्ञों का मानना है कि वे आयोग के नोटिस और स्पष्टीकरण को नजरअंदाज कर सकते हैं। दरअसल यह भी दंडनीय होना चाहिए, लिहाजा चुनाव आयोग में सुधारों की बात की जाती रही है। मान लीजिए, किसी भी नेता ने आचार संहिता के खिलाफ कोई आपत्तिजनक बात कही, तो उसे त्वरित कार्रवाई के तहत प्रचार करने और भाषण देने से 'अयोग्य' करार दे देना चाहिए। अंतिम निर्णय नोटिस के जवाब के बाद दिया जा सकता है। यह विशेषाधिकार संसद और भारत सरकार ही दे सकती हैं। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी है, लिहाजा प्रचार का धुआंधार और उग्र होना स्वाभाविक है।

राय

पानी में कितनी दरारें

हिमाचल सरकार की शिकायत पर 'पानी में दरार' ढूंढने आया केंद्रीय दल। भारी बरसात में इस बार बड़े-बड़े बांधों ने अपनी करतूत को इस कद्र घातक बनाया कि जख्म लिए हिमाचल की तस्वीर बता रही हुए हैं गुनाह कैसे-कैसे। पौंग व पंडोह डैम के अलावा मलाणा-2 तथा पार्वती-3 विद्युत परियोजना के बांधों में बरती गई कोताही ने परेशानियां ही नहीं बढ़ाई, बल्कि हिमाचल में आई आपदा को विकरालता का सबब बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। हैरानी यह कि केवल दो परियोजनाओं कोल बांध व नाथपा झाकड़ी परियोजना में ही अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाया गया था, जबकि अन्य स्थानों पर ऐसे निर्देश का पालन नहीं हुआ। बांध सुरक्षा में अपनाई गई लापरवाही ने सैंज बाजार को ही निगल लिया, जबकि पौंग बांध से बिना तैयारी छोड़े गए पानी ने मंड क्षेत्र में तबाही मचा दी थी। मंडी शहर के डूबते मंदिरों तक आ पहुंचा नदी का उफान बताता रहा कि पंडोह बांध ने कब-कब गुस्ताखी की। ये तमाम परियोजनाएं हिमाचल के सामाजिक परिदृश्य के खिलाफ खड़ी हैं और जनता चौकीदार के रूप में यह रखवाली करती है कि कहीं बांध का गुस्सा न फूट पड़े। दरअसल बांध हिमाचल के पानी को पूरी क्षमता से खींचने की पद्धति में निशानदेही करते रहे हैं। उनके लक्ष्य हिमाचली जिंदगी के विपरीत पानी की सरहद बनाते हैं। ये हमारी मजबूरियां क्यों बन गईं कि आपदा के हिस्से का सारा पानी हिमाचल का, बाढ़ प्रदेश की और काम अन्य राज्यों का। सुकून की जिंदगी छीन चुके बांध, अब नमक हलाली में उस फर्ज की शिनाख्त हैं, जो हिमाचल को बेडियां पहना कर मजाक उड़ा रहा है। बीबीएमबी एक जीता जागता उदाहरण है जो प्रदेश के अधिकारों की तौहीन करता है। वाटर सेस की झलक मात्र से बीबीएमबी के पार्टनर राज्यों का रवैया बताता है कि पानी को बांधने वाले सिर्फ यही चाहते हैं कि हिमाचल बंधक बना रहे। यह कैसा नियम और कैसा राष्ट्रीय फलक, जो बांधों को निचोडने के बावजूद यह नहीं देखता कि राष्ट्र निर्माण की ये ईंटे अपने बगल में छुरी छुपा के कहीं वार कर रही हैं। इस बार की प्राकृतिक त्रासदी ने हिमाचल को बता दिया कि विकास का शैतान कहां-कहां छुपा था। वह बादल बन कर आया जरूर, मगर बांध और विद्युत परियोजनाओं उसे बांधने के बजाय तबाही के लिए खुला छोड़ दिया। वे बांध को लबालब करने के बाद बरसाती हवाओं का रुख मोड़ते हैं, वे धुरंधर है इसलिए पानी खींच कर बाढ़ हमें छोड़ते हैं। यही नहीं इस बार तो पानी-पानी में बैर उभर आया। हिमाचल का पानी हिमाचल में 13 हजार करोड़ की बर्बादी करता है, तो यह राष्ट्रीय क्षति नहीं, लेकिन यही बहते हुए जब पड़ोसी राज्यों में पहुंचता है तो दर्द का एहसास बदल जाता है। मौसम पर तो किसी का वश नहीं, लेकिन पानी के रुख पर राष्ट्र के जज्बात बहकने नहीं चाहिएं। हिमाचल का फर्ज केवल बांध को पानी से लबालब करना नहीं और अगर यही करार है, तो सारी बारिश को खरीद के बताओ कि बादलों का मुकम्मल होना केवल बरसना नहीं, मिलजुल कर मौसम को बांटना होता है। बहरहाल वर्षों बाद उस दरख्वास्त पर केंद्र का दिल आया, जिसमें निकले हैं पहाड़ के आंसू। बांधों की शरारत कहें या उस यकीन को दोषी मानें, जो देश के नाम पर अपनी ही अस्थियां चुनता रहा। पानी का बंटवारा अगर बरसात के अंदाज में हो, तो राष्ट्र को मालूम होगा कि हिमाचल की बर्बादी में लिपटे तेरह हजार करोड़ के निशान कैसे बांटे जा सकते हैं। इस पानी से जुड़े अधिकार से वाटर सेस पर उन राज्यों की मक्कारी दर्ज होती है, जो पंजाब पुनर्गठन की भावना को केवल अपने हित में देखते हैं। शानन बांध परियोजना की समाप्त हो रही लीज और बीबीएमबी से जुड़ी हिमाचल की आर्थिक संभावना की भी पड़ताल होनी चाहिए।

शव संवाद-16

शिकायत की सार्वभौमिकता, राष्ट्रवाद से भी ऊपर है, क्योंकि विश्व की कई शिकायतों का आपसी भाईचारा सरहदों को पिघला देता है। मच्छर की शिकायत रुके हुए पानी और थमे हुए इनसान से है और इस तरह की प्रजाति हर समाज और समाज के हर देश से है। लोगों को अपने-अपने खुदा से शिकायत रहती है, फिर भी दूसरे के धर्म को अच्छा नहीं मानते। घर में परिवार की शिकायत, परिवार को पड़ोस से शिकायत, पड़ोसी को पड़ोसी के धन से शिकायत, धन को आयकर से शिकायत, आयकर विभाग को लोगों की जेब से शिकायत और इसी जेब से निकल रहे नेताओं से देश को शिकायत। शिकायतें भी घूम-फिर कर लौट आती हैं। जिन शिकायतों के कारण हम सरकारें तक बदल देते हैं, वही लौट कर हमारे ही आंगन में लेट जाती हैं। हर किसी को लगता है कि उसी की शिकायत ईमानदार है, लेकिन शिकायत तो शिकायत है, अनादि काल से शुरू हुई और अनंत तक जारी रहेगी। यही सोचते-सोचते बुद्धिजीवी हर रात को सुबह और सुबह को रात में बदलते देखता आ रहा है। हर शिकायत को वाजिब ठहरा कर भी एक बुद्धिजीवी ही है जिसकी शिकायत बेअसर हो रही थी। आज वह रात भर नहीं सोया। वैसे बुद्धिजीवी सोया ही कब। जागता रहा और सोचता रहा कि उसकी जागरूकता ही देश और समाज को बचा रही है, जबकि स्थिति उलट है। देश में किसी के पास कोई शिकायत नहीं। देश इसीलिए चल रहा है क्योंकि लोगों ने शिकायत करनी छोड़ दी है।

खैर बुद्धिजीवी को शिकायत यह थी कि मोहल्ले में गायत्री मंत्र जाप ने उसके कान में सूइयां घुमा दी थीं। उसकी रातें मोहल्ले के गायत्री मंत्र जाप से बेचैन हैं। उसी से उसका धर्म कह रहा था कि पड़ोसी के ऊंचे स्पीकर में खलल न डाले और लोकतांत्रिक अधिकार कह रहा था कि जाकर इस गला फाड़ प्रदर्शन की शिकायत करे। वह आज तय कर चुका था कि देश के लिए इस अशांति से लड़ेगा। वह आगे बढ़ ही रहा था कि गली में ठोकर खाकर गिर पड़ा। गिरते ही उसकी जेब से कई आधी-अधूरी, कई पूरी-पूरी और कई लाचार शिकायतें गिर गईं। इससे पहले कि वह इन्हें उठाता, सोचने लगा कि उसे गिरने से शिकायत है या गिरने के कारण से। गायत्री मंत्र के जाप के साथ-साथ अब कहीं से अxiान का वक्त उसे सताने लगा। इन्हीं शिकायतों ने उससे नई शिकायत करके पूछ डाला, 'शिकायत यह है कि वह जिंदा क्यों है और जिंदा है तो शिकायत क्यों है।' बुद्धिजीवी ने आदतन अपनी ही शिकायत से पल्ला झाडने की कोशिश की और फिर से उठ खड़ा हुआ। सोचने लगा, 'हर व्यक्ति होश में आते ही सर्वप्रथम शिकायत करना ही तो सीखता है।

बच्चों-बच्चों में अंतर इसीलिए है क्योंकि कोई मां की गोद में सीखता, तो कोई बाप के रौब में सीखता है।' बहरहाल आज मन में आई शिकायत ने उसके घुटने छील दिए थे। गली में बिखरी शिकायतों को समेट कर वह अस्पताल पहुंचता है। वहां भी हर मरीज जीने की दुआएं मांग रहा था। शोर ही शोर, चारों ओर शोर। ध्वनियों का कोलाहल। उसने उस दिन अस्पताल के हर कोने पर शिकायत देखी और सोचा कि ये डाक्टर तो हर मरीज की अपने ही जिस्म की शिकायत सुन कर कैसे खामोश रहते हैं। उसने तय किया कि आइंदा वह भी अपने देश की शिकायतें सुन कर खामोश ही रहेगा। शिकायतों के खिलाफ हृदय परिवर्तन करके वह लौट ही रहा था कि सामने सडक़ दुर्घटना के घायलों को अस्पताल लाते हुए देख कर वह ठिठक गया। घायल रो रहे थे, अपने दौड़ रहे थे। अस्पताल यह देखकर भी रूटीन में जुटा था। अस्पताल की व्यवस्था में यह भी नार्मल था कि उसके देखते-देखते कुछ घायल मरकर शव में परिवर्तित हो चुके थे। बुद्धिजीवी ठहर सा गया। उसे अब यह नहीं सूझ रहा था कि वह सडक़ दुर्घटना की शिकायत करे या अस्पताल तक पहुंच कर घायलों के मरने की शिकायत करे। उन्हीं लाशों के बीच उसने भी अपनी तमाम शिकायतें रख दीं। देश में लोग इसी तरह हर रोज बिना कारण मरते हैं और फिर शव के साथ जनता के हजारों प्रश्न और शिकायतें जल जाती हैं। उस दिन बुद्धिजीवी ने बिना शमशानघाट गए अपनी शिकायतों को अस्पताल आकर दुर्घटना में मारे गए लोगों के साथ जला दिया। -क्रमशः

निर्मल असो

विचार

भारत में ओलंपिक की संभावनाएं व चुनौतियां

भारत को 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयास करने ही चाहिए। यह प्रयास शहरी और खेल संबंधी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगा और विशेष रूप से आर्थिक गतिविधि और पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा एथलेटिक उत्कृष्टता में भारत की सहभागिता को बढ़ाएगा। यह विस्तृत योजना बनाने की जरूरत है कि खेलों को कहां आयोजित किया जाए'

पुराने समय से ही ओलंपिक का उपयोग एक सॉफ्ट-पावर के रूप में किया जाता रहा है। दुनिया भर की सरकारों ने खेलों से पडने वाले आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव के साथ-साथ आयोजन की मेजबानी से मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय पहचान पर भी दांव लगाया है। विश्व युद्ध के बाद का यूरोप, रंगभेद के बाद का दक्षिण अफ्रीका और 2010 के दशक का ब्राजील इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि भारत ओलंपिक आयोजन के 2036 संस्करण के आयोजन के अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा, 'यह 140 करोड़ भारतीयों का सदियों पुराना सपना है, यह उनकी आकांक्षा है।' भारत 40 वर्षों में पहली बार वार्षिक ओलंपिक समिति सत्र की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले दिल्ली ने 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों और 1982 में एशियाई खेलों की मेजबानी की थी। लेकिन इससे पहले ओलंपिक जैसे खेल का आयोजन कभी नहीं हुआ। भारत ने भी ओलंपिक में एक अग्रदूत के रूप में रुचि व्यक्त की है, हालांकि 2036 के लिए मेजबान शहर को चुनने में समय लगेगा। ब्रिस्बेन को 2032 संस्करण के लिए जुलाई 2021 में ही चुना गया था।

इससे पहले कि हम भारत की संभावनाओं पर विचार करें, ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह कदम भारत की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को उजागर करता है। चाहे वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की इच्छा हो या जी-20 की अध्यक्षता को लेकर उत्साह, भारत ने लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर सीट की मांग की है। ओलंपिक मेजबानी का टैग हमारे देश को बदलती विश्व व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण स्थान दे सकता है। पदक जीतने में देश की हालिया सफलता इसकी जनसंख्या या आर्थिक विकास के अनुपात में नहीं है। ओलंपिक की मेजबानी से भारत की खेल महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा मिल सकता है। भारत ने हाल ही में संपन्न एशियाई खेलों में 107 पदक लेकर शानदार प्रदर्शन किया है। जब से अभिनव बिंद्रा ने बीजिंग 2008 में देश का पहला व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण जीता है, तब से अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में प्रदर्शन में लगातार वृद्धि हुई है। देशवासियों को यह विश्वास भी है कि भारत वर्ष 2024 में पेरिस में दोहरे अंकों में पदक जीतेगा। ओलंपिक जैसे मेगा आयोजन एक बड़ी चुनौती भी साथ लेकर आते हैं। उदाहरण के तौर पर रियो 2016 और टोक्यो 2020 दोनों आयोजनों के दौरान भयंकर सार्वजनिक आक्रोश देखा गया था। टोक्यो के मामले में, कहा गया था कि वित्तीय बोझ बढ़कर 15.4 बिलियन डॉलर हो गया था, जो प्रारंभिक अनुमान से दोगुने से भी अधिक था। हाल ही में, ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया ने बढ़ते खर्च

के कारण 2026 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से हाथ खींच लिया और कनाडाई प्रांत अल्बर्टा ने 2030 संस्करण के लिए अपना नाम वापस ले लिया। चीन ने 2008 में खेलों की मेजबानी पर 50 अरब डॉलर खर्च किए थे। प्रमुख खेल अर्थशास्त्री एंड्रयू जिम्बालिस्ट ने कहा है कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अरबों डॉलर के खेल आयोजन की मेजबानी करना कठिन होगा। ओलंपिक समिति उन स्थानों को चुनकर खेलों की मेजबानी को और अधिक टिकाऊ बनाने की कोशिश कर रहा है जहां पहले से ही अधिकांश बुनियादी ढांचे मौजूद हैं। उदाहरण के लिए, पेरिस में लगभग 95 फीसदी बुनियादी ढांचे पहले से ही अस्तित्व में हैं।

लॉस एंजिल्स में, जहां 2028 खेल आयोजित होंगे, उन्हें एक भी नया खेल स्थल नहीं बनाना पड़ा। भारत की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपनी आकांक्षाओं को अंतर्निहित जटिलताओं के साथ कैसे जोड़ता है। जब भारत ने 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी, उस समय खेल मंत्री मनोहर सिंह गिल थे। गिल ओलंपिक की मेजबानी की कोशिश के खिलाफ थे। उन्होंने कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए भारी रकम खर्च करने का कोई मतलब नहीं है। भारी वित्तीय निवेश, एक शहर में उन्नत बुनियादी ढांचे और यहां तक कि मौसम की स्थिति जैसी कई चुनौतियों के साथ ओलंपिक की मेजबानी करना भारत के लिए एक आदर्श लक्ष्य है। वर्तमान में हमारे पास चाहे कई ओलंपिक स्तर की सुविधाएं नहीं हैं, पर फिर भी शीर्ष गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे का विकास भारत के लिए एक अच्छी पहल हो सकती है। हालांकि प्रधानमंत्री ने उस भारतीय शहर का नाम नहीं बताया जो ओलंपिक की मेजबानी करने का प्रयास करेगा, लेकिन कई विशेषज्ञों द्वारा यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वो शहर अहमदाबाद हो सकता है। अगस्त 2023 में, गुजरात राज्य सरकार ने गुजरात ओलंपिक प्लानिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम से ओलंपिक योजना के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन की शुरुआत की थी। भारत ने अतीत में कभी भी ओलंपिक की मेजबानी नहीं की है, लेकिन देश ने 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। उस समय, नई दिल्ली मेजबान शहर था। यदि ओलंपिक 2036 के लिए भारत की दावेदारी अहमदाबाद के साथ आगे बढ़ती है, तो शहर को खेल स्थलों, प्रशिक्षण सुविधाओं, एथलीटों के लिए आवासीय पार्क आदि सहित खेल के बुनियादी ढांचे में भारी निवेश करना होगा।

भारत को 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयास करने ही चाहिए। यह प्रयास शहरी और खेल संबंधी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगा और विशेष रूप से आर्थिक गतिविधि और पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा एथलेटिक उत्कृष्टता में भारत की सहभागिता को बढ़ाएगा। इस बात पर विस्तृत योजना बनाने की जरूरत है कि खेलों को कहां आयोजित किया जाए। आयोजन के लिए बनाए गए आवासों, कार्यालयों और खेल सुविधाओं को भारत के बुनियादी ढांचे में कैसे एकीकृत किया जाए। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि अगर भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी करता है तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी बड़ी कामयाबी होगी।

प्रत्यूष शर्मा

दिवाली पर कंपनी, दोस्त या रिश्तेदार से मिलता है गिफ्ट? जानिए कितना देना होगा टैक्स

परिवहन विशेष न्यूज

यदि आपको मिला उपहार कर छूट की श्रेणी में नहीं आता है तो आप पर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 56(2) के तहत कर लगेगा। दिवाली के दौरान कंपनियां अपने कर्मचारियों से लेकर दोस्तों तक को उपहार देती हैं। रिश्तेदार अपने दूसरे रिश्तेदार आदि को तोहफा देते हैं। जानिए आपको इन पर कितना टैक्स देना होगा।

नई दिल्ली। नवंबर के दूसरे हफ्ते में रौशनी का त्योहार दिवाली आने वाली है। इस दौरान मिठाईयों के साथ-साथ लोग एक दूसरे को गिफ्ट भी देते हैं।

अगर आपको मिलने वाला गिफ्ट छूट की श्रेणी में नहीं आता तो आपको उसपर आयकर अधिनियम की धारा 1961 की धारा 56(2) के तहत टैक्स देना होता है। दिवाली के दौरान कंपनियां अपने कर्मचारी, एक दोस्त अपने दूसरे दोस्त, एक रिश्तेदार अपने दूसरे रिश्तेदार, आदि, को गिफ्ट देते हैं। ऐसे में आपको गिफ्ट से जुड़े टैक्स के नियम पता होने चाहिए।

नियोक्ता से मिलने वाले गिफ्ट

अगर नियोक्ता द्वारा सालाना 5000 रुपये तक का गिफ्ट दिया जाता है तो उसपर कोई टैक्स नहीं लगता। हालांकि अगर 5000 की रकम से अधिक की गिफ्ट होती है तो उस उपहार को 'अनुलाभ' (perquisites) माना जाता है और उस हिसाब से टैक्स लगाया जाता है।

रिश्तेदार से मिलने वाले गिफ्ट

आयकर विभाग ने रिश्तेदार की परिभाषा तय की है। 'रिश्तेदार' का अर्थ व्यक्ति का जीवनसाथी है; व्यक्ति का भाई या बहन; व्यक्ति के पति/पत्नी का भाई या बहन; व्यक्ति के माता-पिता में से किसी एक का भाई या बहन; व्यक्ति का कोई भी वंशानुगत लग्न या वंशज; व्यक्ति के पति/पत्नी का कोई वंशानुगत लग्न या वंशज; और उनके जीवनसाथी। अगर इनके द्वारा आपको कोई उपहार दिया जाता है तो उस गिफ्ट पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

दोस्तों से मिलने वाले गिफ्ट

आयकर विभाग दोस्तों से मिलने वाले गिफ्ट को आपके आय के साथ जोड़ता है और उसपर टैक्स लगाता है। हालांकि यह टैक्स तब लगाया जाता है जब गिफ्ट की कीमत एक साल में 50,000 रुपये से अधिक होती है।

अगर कीमत सालाना 50 हजार रुपये से कम है तो उस पर कोई टैक्स नहीं होता है। इसके अलावा शादी के दौरान मिले गिफ्ट पर कोई टैक्स नहीं लगाया जाता है।

हफ्ते के पहले दिन सपाट बंद हुई भारतीय करेंसी, डॉलर के मुकाबले 83.25 पर पहुंचा रुपया

सोमवार की सुबह भारतीय करेंसी सपाट खुला था। इसका असर पूरे दिन के कारोबार में देखने को मिला। आज डॉलर के मुकाबले रुपया सपाट बंद हुआ है। वहीं शेयर बाजार में एक बार फिर से तेजी का दौर वापस आ गया है। स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई बढ़ते के साथ बंद हुए।

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों द्वारा बिकवाली का दौर जारी है। इस वजह से भारतीय करेंसी सीमित दायरे में कारोबार कर रही है। सोमवार 30 अक्टूबर 2023 के शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सपाट खुला और सपाट ही बंद हुआ। वहीं, शेयर बाजार में एक बार फिर से तेजी का दौर देखने को मिला। आज शेयर बाजार के दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए हैं।

विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि भारतीय रुपया मजबूत अमेरिकी डॉलर और विदेशी फंडों के बिकवाली दबाव के कारण सपाट नोट पर कारोबार कर रहा है। हालाँकि, शेयर बाजार ने बढ़त का रुख अपनाया और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने रुपये की गिरावट को रोक दिया। इजराइल द्वारा गाजा में अपने जमीनी अभियानों का विस्तार करने के कारण अमेरिकी डॉलर में तेजी आई।

सपाट हुआ रुपया

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा में, एक सीमित कारोबार में रुपया 83.25 पर खुला और अंत में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले उसी स्तर पर बंद हुआ, हालांकि भारतीय शेयर बाजार ने स्मार्ट रिकवरी की और दिन का अंत बढ़त के साथ हुआ। आज दिन के दौरान, डॉलर के मुकाबले रुपये ने इंट्रा-डे में 83.24 का उच्चतम स्तर और 83.27 का निचला स्तर देखा। पिछले हफ्ते शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.25 पर बंद हुआ।

इस बीच, डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 106.42 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 1.28 प्रतिशत गिरकर 89.29 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

आज बीएसई सेंसेक्स 329.85 अंक या 0.52 प्रतिशत बढ़कर 64,112.65 पर बंद हुआ और एनएसई निफ्टी 93.65 अंक या 0.49 प्रतिशत बढ़कर 19,140.90 पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को 1,500.13 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

अडानी ग्रीन एनर्जी का नेट प्रॉफिट दूसरी तिमाही में पहुंचा 370 करोड़ के पार, कंपनी ने जारी किए आंकड़ें

Adani Green Energy की कुल आय बढ़कर 2589 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 1684 करोड़ रुपये हुआ करती थी। इस अवधि के दौरान ऊर्जा की बिक्री एक साल पहले की तिमाही में 3067 एमयू से बढ़कर 5737 मिलियन यूनिट (एमयू) हो गई है। आइए इससे संबंधित पूरी डिटेल के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। Adani Green Energy ने सोमवार को जुलाई-सितंबर तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में लगभग 149 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो एक साल पहले की तुलना में 371 करोड़ रुपये थी। ऐसा मुख्य रूप से कंपनी की हाई सेल के वजह से हो पाया है।

कंपनी की ओर से पेश किए गए आंकड़ो के मुताबिक पिछले साल 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ 149 करोड़ रुपये था। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

रिपोर्टिंग क्वार्टर में Adani Green Energy की कुल आय बढ़कर 2,589 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 1,684 करोड़ रुपये थी। इस अवधि के दौरान ऊर्जा की बिक्री एक साल पहले की तिमाही में 3,067 एमयू से बढ़कर 5,737 मिलियन यूनिट (एमयू) हो गई है। वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर 2023) में ऊर्जा की बिक्री 78 प्रतिशत सालाना (वर्ष दर वर्ष) बढ़कर 11,760 एमयू हो गई है, जो मुख्य रूप से सौर, पवन और हाइब्रिड पोर्टफोलियो में मजबूत क्षमता वृद्धि और बेहतर सीयूएफ (क्षमता उपयोग कारक) द्वारा समर्थित है।

कंपनी का बयान

इस संबंध में कंपनी ने कहा कि गुजरात के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा आरई क्लस्टर बनाने के हमारे अगले मील के पत्थर की खोज में, हमने पहले ही 5,000 से अधिक कार्यबल तैनात कर दिया है। खावड़ा में हम सबसे कुशल 5.2 मेगावाट पवन टरबाइन में से एक सबसे उन्नत TOPCon सौर मॉड्यूल के साथ-साथ भारत के सबसे बड़े और स्थापित करेंगे।

अडानी ग्रीन एनर्जी के सीईओ अमित सिंह ने कहा कि ये प्रयास हमें ऊर्जा की न्यूनतम स्तर की लागत प्राप्त करने की दिशा में प्रेरित करेंगे। भारत स्थित अदानी समूह का एक हिस्सा अदानी ग्रीन एनर्जी के पास परिचालन, निर्माणाधीन और सम्मानित परियोजनाओं सहित 20.4 गीगावॉट के समग्र लॉक-इन पोर्टफोलियो के साथ सबसे बड़े वैश्विक नवीकरणीय पोर्टफोलियो में से एक है।

फेस्टिव सीजन में एसबीआई अपने ग्राहकों को दे रहा है ये खास ऑफर, CIBIL स्कोर से लेकर लोन पर मिल रही है बंपर छूट

परिवहन विशेष न्यूज

फेस्टिव सीजन शुरू हो चुका है। इस सीजन में जहां एक त्यौहार की धूम मची थी वहीं दूसरी तरफ इस धूम पर चार चांद लगाने के लिए कई बैंक अपने ग्राहकों को स्पेशल ऑफर देते हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक ने भी अपने ग्राहकों को लोन से लेकर क्रेडिट कार्ड पर कई तरह के ऑफर दे रहे हैं। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। देखते-देखते 2023 का सबसे बड़ा फेस्टिव सीजन आ गया है। इस फेस्टिव सीजन जहां एक तरफ त्यौहार की धूम होती है तो उसी के साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई तरह के ऑफर व डिस्काउंट का मौसम भी होता है।

इस मौसम में चार चांद लगाने के लिए देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (SBI) अपने ग्राहकों को के लुभाने वाले ऑफर और डिस्काउंट लेकर आया है।

हाल में ही दशहरा उत्सव गया है और लोग दिवाली का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में इस पूरे फेस्टिव सीजन एसबीआई ग्राहकों को कौन-से खास ऑफर और डिस्काउंट मिल रहे हैं? इसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

एसबीआई होम लोन

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने ग्राहकों को होम लोन (Home Loan) पर रियायतें दे रहा है। इसको लेकर बैंक ने जानकारी दी है कि वह होम लोन में 65 बीपीएस तक की कमी कर सकता है। यह जानकारी स्टेट बैंक ने अपने अधिकारिक वेबसाइट पर दी है। बैंक के वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार यह ऑफर 31 दिसंबर 2023 तक वैध है।

बैंक ने इस ऑफर को लेकर जानकारी दी है कि इस ऑफर को सिबिल स्कोर से जोड़ दिया गया है। सिबिल स्कोर जितना अधिक होगा ग्राहकों को उतनी ज्यादा रियायती दरों का लाभ मिलेगा। इसके अलावा ग्राहक को होम लोन टेकओवर या फिर रेडी-टू-मूव ऑप्शन में अतिरिक्त 20 बीपीएस का डिस्काउंट मिलेगा। यह डिस्काउंट केवल उन ग्राहकों को मिलेगा जिनका सिबिल स्कोर 700 अंक के पार होता है।

एसबीआई क्रेडिट कार्ड

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी क्रेडिट कार्ड पर भी ऑफर दिया जा रहा है। बैंक ने क्रेडिट कार्ड पर कई तरह के ऑफर पेश किये हैं। यह ऑफर मोबाइल फोन, लैपटॉप, फैशन, फर्नीचर, ज्वेलरी आदि पर दी जा रही है। इसके अलावा ईएमआई पर भी ऑफर दिया जा रहा है।

बैंक ने कई ब्रांड के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के बाद अब ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करते समय अतिरिक्त डिस्काउंट और कैशबैक का लाभ मिलता है। यह फेस्टिव ऑफर 15 नवंबर 2023 तक वैध रहेगा।

करवाचौथ पर पत्नी को दें ये खास गिफ्ट, इन तोहफों से मजबूत होगी पत्नी की फाइनेंशियल स्टेटस

करवा चौथ का त्योहार आ रहा है। ऐसे में आप कंफ्यूज होंगे कि आप अपने पत्नी को क्या तोहफा दें। अगर आप बाकी की तरह साड़ी हैंडबैग फ्लावर बुके आदि देने का प्लान कर रहे हैं तो आपको बता दें कि इस से अच्छा है कि आप अपनी पत्नी को कुछ ऐसा गिफ्ट दें जो आपकी पत्नी को फाइनेंशियल तौर पर मजबूत करेगा।

नई दिल्ली। 1 नवंबर 2023 को करवा चौथ है। इस त्योहार में पत्नी अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती है। ऐसे अगर आप भी अपनी पत्नी के लिए कोई खास गिफ्ट खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो आपने भी इंटरनेट पर सर्च कर रहे होंगे। इसके अलावा आप साड़ी, हैंडबैग, फ्लावर बुके, चॉकलेट्स, मेकअप किट आदि देने की सोच रहे हैं तो हम आपको सलाह देंगे कि इस बार आप अपनी पत्नी को कुछ अलग गिफ्ट दें। आपको कोई ऐसा तोहफा देना चाहिए जो अलग भी हो और काम का भी। ऐसे में आप अपनी पत्नी के लिए फाइनेंस से जुड़े कुछ गिफ्ट दे सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप अपनी पत्नी को क्या फाइनेंशियल गिफ्ट दे सकते हैं।

SIP या म्यूचुअल फंड

आप अपनी पत्नी के लिए SIP गिफ्ट कर सकते हैं। दरअसल, आज भी महिलाएं घर के डिब्बे में पैसे रखती है। यह पैसे बचाने का सबसे लोकप्रिय और पुराना तरीका है जो महिलाओं द्वारा अपनाया जाता है। ऐसे में अगर आप अपनी पत्नी को एक एसआईपी अकाउंट गिफ्ट करते हैं तो यह आपकी पत्नी को सेविंग करने और अच्छे रिटर्न देने में काफी मदद करेगा।

ऐसे में आप इस करवाचौथ अपनी पत्नी के लिए म्यूचुअल फंड का SIP अकाउंट खुलवा सकते हैं। इसके अलावा उन्हें निवेश करने के लिए बढ़ावा दे सकते हैं। एसआईपी में आपको सेविंग अकाउंट या एफडी से ज्यादा ब्याज मिलता है।

हेल्थ इंश्योरेंस

हेल्थ इंश्योरेंस आज के समय में बहुत जरूरी होता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में 100 महिलाओं में से सिर्फ 20 महिला के पास हेल्थ इंश्योरेंस होता है। अगर आपकी पत्नी अभी तक हेल्थ इंश्योरेंस में कवर नहीं है तो आप उन्हें हेल्थ इंश्योरेंस गिफ्ट कर सकते हैं। यह उनके लाइफ की सुरक्षा करने में काफी मदद करेगी। इसके अलावा यह मेडिकल खर्चों को कम करने में भी मदद करेगा।

गोल्ड

महिलाओं को सबसे ज्यादा पसंद गोल्ड होता है। आप अपनी पत्नी को फिजिकल गोल्ड की जगह डिजिटल गोल्ड भी गिफ्ट कर सकते हैं। यह सुरक्षित होता है। अगर आप डिजिटल गोल्ड करना पसंद नहीं करते हैं तब आप फिजिकल गोल्ड की कोई ज्वेलरी या फिर सिक्के गिफ्ट कर सकते हैं। यह गिफ्ट आपकी पत्नी को बहुत पसंद आएगा। इसलिए गोल्ड को एवरग्रीन तोहफा कहा जाता है। वहीं, भारतीय संस्कृति में गोल्ड गिफ्ट करना काफी शुभ माना जाता है।

लिस्ट होगा जेएसडब्लू इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर, 37 गुना हुआ था सब्सक्राइब

JSW Infra IPO का शेयर 3 अक्टूबर को लिस्ट होगा। IT+2 टाइमलाइन में लिस्ट होने वाला ये दूसरा आईपीओ होगा। इससे पहले केवल आरआर काबेल का ही आईपीओ T+2 टाइमलाइन पर लिस्ट हुआ है। एसडब्लू इन्फ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ 25 सितंबर से लेकर 27 सितंबर कर खुला था। इसका इश्यू साइज 2800 करोड़ रुपये का था और ये पूरा फ्रैश इश्यू था।

नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी प्राइवेट पोर्ट कंपनी जेएसडब्लू इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर मंगलवार (3 अक्टूबर, 2023) को लिस्ट हो सकता है। T+2 टाइमलाइन में लिस्ट होने वाला ये दूसरा आईपीओ होगा। इससे पहले केवल आरआर काबेल का ही आईपीओ T+2 टाइमलाइन पर लिस्ट हुआ है। बता दें, बाजार नियामक सेबी की ओर से एक सितंबर से आईपीओ लाने वाली कंपनियों के लिए T+3 टाइमलाइन को ऐच्छिक रूप से लागू किया है। यह नया नियम एक दिसंबर, 2023 से आईपीओ लाने वाली सभी कंपनियों के लिए अनिवार्य हो जाएगा।

JSW Infra IPO 37 गुना भरा

जेएसडब्लू इन्फ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ 25 सितंबर से लेकर 27 सितंबर कर खुला था। आईपीओ का अलॉटमेंट 28 सितंबर को फाइनल हुआ था।

ये 2800 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू 37.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। रिटेल निवेशकों के लिए तय किया गया कोटा 10.32 गुना सब्सक्राइब हुआ था। क्यूआईबी के लिए निर्धारित कोटा 57.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। एनआईआई के लिए रिजर्व कोटा 15.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

जेएसडब्लू इन्फ्रास्ट्रक्चर की खास बात यह है कि ये पूरा फ्रैश इश्यू है। यानी आईपीओ में मिलने वाला सारा पैसा कंपनी के पास जाएगा। आईपीओ का प्राइस बैंड 113 रुपये से लेकर 119 रुपये तय किया गया था। इसका लॉट साइज 126 शेयरों का है। जेएम फाइनेंशियल, एक्सिस कैपिटल, क्रेडिट सुइस सिक्योरिटीज (इंडिया), डैम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड, एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। वहीं, केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड आईपीओ रजिस्ट्रार है।

डीमेट अकाउंट में चुटकियों में ऑनलाइन भरें नॉमिनी, फॉलो करें ये प्रोसेस

डीमेट अकाउंट में नॉमिनी दर्ज करना सेबी की ओर से अनिवार्य कर दिया गया है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो 31 दिसंबर2023 के बाद आपका डीमैट अकाउंट फ्रीज हो जाएगा। डीमैट खाताधारक के परिवार का सदस्य दोस्त या उससे जुड़ा कोई अन्य व्यक्ति भी नॉमिनी हो सकता है। आप एक से ज्यादा नॉमिनी भी अपने डीमैट खाते में दर्ज कर सकते हैं।

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) की ओर से सभी डीमैट खातों में 31 दिसंबर, 2023 तक नॉमिनी जोड़ना अनिवार्य कर दिया है। इसका उद्देश्य है कि अगर डीमैट खाताधारक की मृत्यु हो जाती है तो उसके नामांकित व्यक्तियों को आसानी से उसकी संपत्ति पर अधिकार मिल सके।

किन खाताधारकों को नॉमिनी भरना अनिवार्य?

वे डीमैट खाताधारक जिनके पास अपना व्यक्ति डीमैट अकाउंट ने उन सभी लोगों के लिए नॉमिनी भरना आवश्यक है। संयुक्त डीमैट खाताधारक भी नॉमिनी भर सकते हैं। हालांकि, गैर-व्यक्तिगत खातों में नॉमिनी भरना संभव नहीं है।

कौन हो सकता है नॉमिनी?

डीमैट खाताधारक के परिवार का सदस्य, दोस्त या उससे जुड़ा कोई अन्य व्यक्ति भी नॉमिनी हो सकता है। आप एक से ज्यादा नॉमिनी भी बना सकते हैं। इसके लिए आपको डीमैट अकाउंट में संपत्ति में अनुपात तय करना होगा।

नॉमिनेशन प्रोसेस

नॉमिनेशन फॉर्म आसानी से आप अपनी डीपी (डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट) से या फिर ऑनलाइन वेबसाइट के डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए किसी भी व्यक्ति को अपने डीमैट अकाउंट का नंबर और निजी जानकारी देनी होगी। साथ ही डीमैट खाताधारक को उसका व्यक्ति का नाम, उससे रिश्ता, जन्मतिथि और पता आदि बताना होगा, जिसे वह नॉमिनी बनाना चाहता है। वहीं, अगर नॉमिनी एक से ज्यादा है तो संपत्ति में उनका अनुपात भी तय कर सकते हैं।

ऑनलाइन नॉमिनेशन कैसे भरें?

आप आसानी से डिपॉजिटरी की वेबसाइट पर जाकर नॉमिनेशन भर सकते हैं। इसके लिए आपको फॉर्म में मांगी गई जानकारी भरनी होगा। इसके बाद आधार ओटीपी के जरिए वेरिफिकेशन करना होगा। फिर डीमैट अकाउंट में आपका नॉमिनी दर्ज हो जाएगा।

आंध्र-ओडिशा सीमा पर भीषण रेल दुर्घटना: 45 ट्रेनें रद्द, 22 का मार्ग बदला

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेस्वर : आंध्र-ओडिशा सीमा पर हुए भीषण ट्रेन हादसे के कारण रेलवे विभाग ने 45 ट्रेनें रद्द कर दी हैं. इसी तरह, 22 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है और 11 को आंशिक रूप से रद्द किया गया है। जाहिर है कि 6 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है.

रद्द की गई ट्रेनों में पुरी-शालीमार और शालीमार-पुरी एक्सप्रेस, पलासा-विशाखापटना स्पेशल ट्रेन, विशाखापटना-कोरबा ट्रेन, कोरबा-विशाखापटना ट्रेन, पलासा-विशाखापटना स्पेशल ट्रेन, विशाखापटना-पारादीप एक्सप्रेस, पारादीप-विशाखापटना एक्सप्रेस, रायगड़ा-विशाखापटना पैसेंजर शामिल हैं। विजयनगरम-विशाखापटना स्पेशल ट्रेन, विशाखापटना-गुनपुर स्पेशल ट्रेन, गुनापुर-विशाखापटना स्पेशल ट्रेन, एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-पुरी एक्सप्रेस, विशाखापटना-कोरबा एक्सप्रेस, विशाखापटना-पारादीप एक्सप्रेस, रायगड़ा-गुंटूर एक्सप्रेस, विशाखापटना-प्लासा पैसेंजर, प्लासा-शबीखापटना पैसेंजर, विशाखापटना-तिरुपति पैसेंजर, तिरूपति-बिशाखापटना पैसेंजर, ब्रह्मपुर-बिशाखापटना एक्सप्रेस, विशाखापटना-ब्रह्मपुर एक्सप्रेस, भुवनेश्वर-बिशाखापटना इंटरसिटी और विशाखापटना-भुवनेश्वर इंटरसिटी आदि।

दिल्ली की हवा सबसे दूषित, चार जगह AQI 400 पार

एनसीआर में दिल्ली के बाद ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। दिल्ली की हवा समग्र रूप से बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। कमोबेश यही स्थिति पूरे सप्ताह तक बने रहने का अनुमान है।

राजधानी में मौसम बदलने व हवा की गति कम होने से वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। देशभर के 221 शहरों में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) छठे स्थान पर रहा। अक्तूबर में एनसीआर के मुकाबले पहली बार दिल्ली में सोमवार को हवा बेहद खराब रही। यहां एक्यूआई 347 दर्ज किया गया, जोकि रविवार के मुकाबले 27 सूचकांक अधिक रहा। यह इस सीजन का सबसे अधिक एक्यूआई रहा। सुबह एक्यूआई 333 दर्ज किया गया, वहीं दोपहर तक यह औसतन 340 हो गया। वहीं, वजीरपुर व रोहिणी समेत चार इलाकों में हवा गंभीर और 29 इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी पहुंच गई।

एनसीआर में दिल्ली के बाद ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। दिल्ली की हवा समग्र रूप से बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। कमोबेश यही स्थिति पूरे सप्ताह तक बने रहने का अनुमान है। दीपावली से पहले ही दिल्ली धीरे-धीरे गैस चैंबर की ओर बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, हवा में पराली व वाहनों और फैक्ट्रियों का धुआं घुल रहा है। ऐसे में हवा की गति कम होने से प्रदूषण के कण हवा में ठहर रहे हैं, जिससे हवा प्रदूषित हो रही है। अगर इसी तरह की स्थिति बनी रहती है, तो ग्रैप का तीसरा चरण लागू किया जा सकता है।

221 शहरों में दिल्ली छठे स्थान पर

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, देशभर के 221 शहरों में दिल्ली की हवा छठे स्थान पर सबसे अधिक प्रदूषित रही। इसमें हनुमानगढ़ में एक्यूआई 428 दर्ज किया गया, जोकि गंभीर श्रेणी में रहा। वहीं, जींद में 416, बठिंडा में 381, श्री गंगानगर में 368 व बहादुरगढ़ में 362 एक्यूआई दर्ज किया गया।

वजीरपुर व रोहिणी सबसे अधिक प्रदूषित

सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली में सोमवार को 29 इलाकों में बेहद खराब हवा दर्ज की गई। इसमें वजीरपुर में 429, रोहिणी में 425, मुंडका में 417 व नॉर्थ कैंपस में 401 एक्यूआई दर्ज किया गया, जोकि गंभीर श्रेणी है। सोनिया विहार में 397, पंजाबी बाग में 392, बवाना में 390, जहांगीरपुरी में 389, आनंद विहार में 385, ओखला फेज-2 व न्यू मोती बाग में 378, अशोक विहार में 375, नरेला में 355, द्वारका सेक्टर-8 में 343 व बुराड़ी क्रॉसिंग में 370 समेत 29 इलाकों में एक्यूआई दर्ज किया गया। आया नगर में 286, लोधी रोड में 297 व पूसा में 278 वायु सूचकांक दर्ज किया गया, जोकि खराब श्रेणी है।

सांसों पर 'जहरीला' संकट: ठंड आते ही बढ़े 30 फीसदी सांस के रोगी, जानें इसके चार लक्षण और बचाव के पांच तरीके

दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे प्रदूषण के चलते एम्स शाखा की ओपीडी में सांस और दमे के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। सामान्य रोग विशेषज्ञ के पास हर रोज 50 से 60 मरीज सांस रोग के आ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि सर्दियों के आते ही लगभग 30 प्रतिशत मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है।

एम्स शाखा की ओपीडी में प्रतिदिन करीब तीन हजार मरीज उपचार करवाने के लिए आते हैं। इनमें से 250 मरीज सामान्य रोग विशेषज्ञ के पास बुखार, खांसी और सांस का उपचार करवाने के लिए आ रहे हैं। एम्स शाखा के सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश ने बताया कि प्रदूषण का स्तर बढ़ने की वजह से उनकी ओपीडी में सांस रोगी मरीजों की संख्या बढ़ गई है। उनकी ओपीडी में हर रोज 50 से 60 मरीज सांस रोगी के आ रहे हैं। जिनकी उम्र 50 से ऊपर है।

बढ़ते प्रदूषण की वजह से उन मरीजों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि पहले सांस रोगी मरीज पंप का इस्तेमाल काफी कम किया करते थे लेकिन अब मरीज दिन दो बार कर रहे हैं। राजीव कॉलोनी निवासी घनश्याम ने बताया कि उनको सांस की परेशानी पहले से थी लेकिन अब प्रदूषण का स्तर बढ़ने की वजह से उनको ज्यादा परेशानी हो रही है। इसी वजह से वह अब सुबह व शाम को सैर करने के लिए भी घर से बाहर नहीं जा रहे हैं। डॉक्टरों की सलाह के अनुसार वह अब दिन में दो बार पंप का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सर्दियों में बढ़ जाते हैं 30 प्रतिशत मरीज

बीके अस्पताल के सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित अग्रवाल ने बताया कि काला दमा व अस्थमा, मरीजों के लिए प्रदूषण और कम तापमान खतरनाक होता है। अन्य माह की अपेक्षा सर्दियों के चार महीनों (नवंबर, दिसंबर, जनवरी और फरवरी) में अस्पतालों में इनकी संख्या 30 फीसदी तक बढ़ जाती है।

यह है लक्षण

- तेजी से सांस लेना।
- बलगम के साथ खांसी आना।
- सीने में इंफेक्शन व जकड़न होना।
- कमजोरी आ जाना

इन सावधानियों को बरतें

- मरीजों को हमेशा गर्म कपड़े पहनने चाहिए
- बाहर निकलने पर नाक और मुंह को कवर जरूर करें
- अस्थमा और काला दमा पीड़ितों के कमरे में अंदर धूपबत्ती न जलाएं।
- घरों में अंगीठी, हीटर आदि के प्रदूषण से मरीज को बचाएं।
- मरीज के लिए सप्ताह में तीन से चार बार 45-45 मिनट के लिए व्यायाम बेहद आवश्यक है।

चुनावी प्याज भाव से फिर बरपा राजनीतिक खेल

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

5 राज्यों के चुनावी भाव ने प्याज पर फिर राजनीतिक खेल शुरू कर वोटरों के आंसू निकाल दिए है। दो दिन पहले तक 20 से 25 के बेभाव में बिकने वाली प्याज के यकदम 120 से 150 रूपये किलो तक पहुंचने से वोटरों की आंखो में पानी लाने का खेल चल रहा है। इससे पहले टमाटर छलांग लगा रहा था। एक जमाने में टमाटर के 40 रूपये किलों तक की ऊंचाई से भाजपा को दिल्ली की सत्ता गवाह पडी थी।

दरअसल 5 विधान सभाओं के चुनावो के मद्देनजर जमाखौरों ने कृतिम प्याज की कमी और बढी कीमतों से बेजार वोटरों के मिजाज में तीखा पन ला दिया है। इससे जनता तो परेशान है ही, सत्तारूढ दल के नेता भी बेहाल है। जबकि विपक्ष गदगद। दरअसल विपक्ष को बैठे बिठाए मुद्दा मिल गया है। खबर के मुताबिक पिछले हफ्ते तक प्याज 25-30 रूपये प्रति किलो.पर उपलब्ध था।लेकिन महज दो दिनों मे ही बढकर 100 रूपये से 140 रूपये प्रति किलोग्राम हो गया। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बेहिसाब प्याज कीमत में उछाल के पीछे मुख्य कारण में प्याज की जमाखोरी है। जिसकी वजह से सप्लाई कम हो गई और कीमते ऐन चुनाव के वक्त ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। प्याज व्यापारियों ने जमाखोरों को सेफगार्ड पहनाकर आम उपभोक्ता को ही प्याज के आखरी स्टॉक को जमा करना बता रहे हैं।इससे कमी पैदा हो रही है। और कीमतें बढ रही है। उन्होंने कीमतों पर कंट्रोल करने के लिए तुरंत कदम उठाने की वकालत की है। उनका कहना है कि अगर सरकारी लगाम नहीं लगाए तो प्याज की कीमत 150 रूपये किलों को भी टाप सकती है।

उधर केंद्र सरकार ने भी प्याज निर्यात मूल्य यानि (एमईपी) लगाया है।यह प्रतिबंध 29 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2023 तक प्रभावी रहेगा। वहीं व्यापारियों का कहना है कि प्याज की नई फसल दिवाली के बाद नंवबर के आखरी सप्ताह तक बाजारों मे आ जाएगी। मगर जब तक आम आदमी को जेबें ढीली करनी तो पडेगी ही।

प्याज की कालाबाजारी पर कार्रवाई होगी

मनोरंजन सासमल , ओड़शिा, भुबनेस्वर: प्याज की हो रही है कालाबाजारी, रहें सावधान ! विभागीय मंत्री ने जिला प्रशासन को प्याज की कालाबाजारी पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. प्रदेश में प्याज की कीमतें बढ़ती जा रही हैं. गरीबों और मध्यम वर्ग की रसोई के गलीचों पर एक महंगा तमाचा. प्रदेश में 70 टॉप प्याज रेट।हालांकि, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने शिविरार्थियों को सही कीमत पर प्याज दिलाने पर जोर दिया है. विभागीय मंत्री अतनु सब्यसाची नायक ने जिला प्रशासन को प्याज की कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. जैसे-जैसे प्याज की फसल का समय नजदीक आएगा, अंतर को प्रबंधित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि कैंपर सही कीमत पर कैसे मिले, इस पर जोर दिया जा रहा है.

दो गुटों की मारपीट में एक व्यक्ति की मौत, दो लोग घायल

दिल्ली के नंगली सकरावती इलाके में एक गोदाम में दो गुटों के बीच हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं दो अन्य लोग घायल भी गए हैं। पुलिस के मुताबिक एक व्यक्ति को चोरी के लिए गोदाम में घुसने के संदेह में एक वहां मौजूद कर्मचारियों ने पकड़ लिया था।

नई दिल्ली। नंगली सकरावती इलाके में एक गोदाम में दो गुटों के बीच हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं दो अन्य लोग घायल भी गए हैं। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार की रात को हुई थी, जिसमें धर्मेंद्र (33) की मौत हुई है।

अस्पताल में कर्मचारी ने तोड़ा दम

सोमवार को पुलिस ने जानकारी दी कि दिल्ली के एक गोदाम में दो गुटों में मारपीट हो गई, जिसमें तीन लोगों को चोटें आईं। इसके बाद तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां पर एक फैक्ट्री कर्मचारी ने दम तोड़ दिया। दो अन्य लोगों का इलाज चल रहा है।

चोरी के संदेह में व्यक्ति को पकड़ा

पुलिस के मुताबिक, एक व्यक्ति को चोरी के लिए गोदाम में घुसने के संदेह में एक वहां मौजूद कर्मचारियों ने पकड़ लिया था। कुछ समय बाद एक और गुट आ गया और आरोप लगाया कि उस व्यक्ति को पीटा जा रहा है। इसी के साथ गोदाम के कर्मचारियों के साथ झगड़ा किया, जिससे तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

दो आरोपी हिरासत में लिए गए

पुलिस ने बताया कि दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस स्टेशन नजफगढ़ में आईपीसी की धारा 302, 307, 147, 148 और 149 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच चल रही है।

आंध्रा ट्रेन एक्सीडेंट : ट्रेन हादसे पर सीएम केजरीवाल ने जताया दुख, बोले- देश में बार-बार दुर्घटनाएं होना चिंताजनक

परिवहन विशेष न्यूज

Andhra Pradesh Train Accident: मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि बीते दिन आंध्र प्रदेश में हुआ ट्रेन दुर्घटना बेहद दुखद है। मृतक के परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में दो ट्रेनों की टक्कर में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दुख जताया है। मृतक के परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

अरविंद केजरीवाल ने ट्रेन हादसे को बताया बेहद दुखद

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि बीते दिन आंध्र प्रदेश में हुआ ट्रेन दुर्घटना बेहद दुखद है। इस हादसे में जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया। उनके साथ मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं, वो जल्द स्वस्थ होकर अपने घर लौटें। देश में बार-बार इस तरह की ट्रेन दुर्घटनाओं का होना बेहद चिंताजनक है।

आंध्र प्रदेश में हुई ये ट्रेन दुर्घटना बेहद दुखद है। इस हादसे में जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया उनके साथ मेरी संवेदनाएँ। ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि जो लोग घायल हुए हैं वो जल्द स्वस्थ होकर अपने घर लौटें।

देश में बार-बार इस तरह की ट्रेन दुर्घटनाओं का होना बेहद चिंताजनक है।https://t.co/DoGlttWFIg

— Arvind Kejriwal (@ArvindKejriwal) October 29, 2023

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जताया शोक

वहीं दूसरी तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से भी बयान जारी किया गया। बयान में पीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की। उन्होंने अलामांडा और कांतकपल्ले खंड के बीच दुर्भाग्यपूर्ण ट्रेन दुर्घटना के मद्देनजर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए कहा। प्रधानमंत्री ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस बीच प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार की रुपये की आर्थिक मदद का एलान किया गया।

रेल मंत्री ने किया मुआवजे का एलान

जानकारी के लिए बता दें कि आंध्र प्रदेश ट्रेन हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 50 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि हावड़ा-चेन्नई रूट पर विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर ट्रेन और विशाखापत्तनम-रायगढ़ा पैसेंजर ट्रेन के बीच टक्कर हो गई। हादसे में तीन कोच क्षतिग्रस्त हुए हैं। बचाव अभियान जारी है। सहायता और एम्बुलेंस के लिए स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ को सूचित किया गया है। दुर्घटना राहत ट्रेनें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं। हादसे की वजह से अब तक कुल 18 ट्रेनें रद्द हुई हैं और 22 ट्रेनों का रूट बदला गया है। रेल मंत्री ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को ढाई लाख रुपये और सामान्य रूप से घायल लोगों के लिए 50 हजार रुपये के मुआवजे का एलान किया है।

छात्रा कीर्ति को ऑटो से खींचने वाला मुख्य आरोपी मुठभेड़ में ढेर, हमले में युवती की हो गई थी मौत

छात्रा पर हमला करने वाले मुख्य आरोपी जितेंद्र पर 12 से ज्यादा लूट के मामले और एक गैंगस्टर का मुकदमा भी था। छात्रा से लूट के मामले में फरार होने के बाद उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था।

गाजियाबाद में लूट के लिए ऑटो से इंजीनियरिंग की छात्रा को खींचने वाले मुख्य आरोपी और पुलिस के बीच सोमवार सुबह मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में आरोपी जितेंद्र मारा गया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार तड़के करीब पांच बजे मसूरी क्षेत्र में नहर पटरी पर पुलिस और लुटेरे के बीच मुठभेड़ हुई। जितेंद्र पर 12 से ज्यादा लूट के मामले और एक गैंगस्टर का मुकदमा भी था। छात्रा से लूट के मामले में फरार होने के बाद उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था।

दरअसल, एनएच-9 पर उद्योग कुंज के पास लुटेरों के हमले में घायल हुई इंजीनियरिंग की छात्रा कीर्ति (19) की उपचार के दौरान रविवार की शाम मौत हो गई थी। बाइक सवार लुटेरों ने मोबाइल फोन लूटने के लिए उसे ऑटो से खींचने का प्रयास किया था। सड़क पर गिर जाने से उसके सिर की हड्डी टूट गई थी। डॉक्टरों ने उसका आपरेशन किया था, लेकिन जान नहीं बच सकी। हापुड़ के पन्नापुरी निवासी रविंद्र की बेटी और गाजियाबाद के एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष की होनहार छात्रा कीर्ति के साथ घटना 27 अक्तूबर की शाम करीब साढ़े चार बजे हुई थी।

वह सहेली दीक्षा के साथ घर जा रही थी। पीछा करते आ रहे बाइक सवार दो बदमाशों ने उससे मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया। उसने विरोध किया तो उसका हाथ पकड़कर बाहर की ओर खींच दिया। वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। मोबाइल फोन बदमाश के हाथ में आ गया। बदमाश मोबाइल लूटकर भाग गए थे। सहेली और ऑटो चालक ने कीर्ति को अस्पताल में भर्ती कराया था। उसे पहले पिलखुवा के मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां से गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल भेजा गया। यहां रविवार की शाम उसने दम तोड़ दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023